12 अगस्त 2025

मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

प्रतिभा खोज मशाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, छाया रहा बक्सर

2

सुप्रीम कोर्ट से मानहानि मामले में मेधा पाटकर को नहीं मिली राहत, सजा बरकरार

- हाईकोर्ट ने पाटकर को अच्छे आचरण की परिवीक्षा पर रिहा किया था

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से 25 साल पहले दायर किए गए मानहानि मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को कोई राहत नहीं दी है। कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि हम इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने के लिए इच्छुक नहीं है। हाईकोर्ट ने पाटकर को अच्छे आचरण की परिवीक्षा पर रिहा किया था, लेकिन उन्हें हर तीन साल में एक बार निचली अदालत में पेश होने की आवश्यकता थी। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील की दलील को ध्यान में रखते हुए लगाया गया जुर्माना रद्द कर दिया गया है। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर के खिलाफ 24 नवंबर 2000 को मानहानि का मुकदमा दायर किया था। तब सक्सेना

गुजरात में एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के प्रमुख थे। मामले में मजिस्ट्रेट न्यायालय ने 1 जुलाई 2024 को पाटकर को आईपीसी की धारा 500 (मानहानि) के तहत दोषी पाते हुए पांच महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। मजिस्ट्रेट अदालत ने माना था कि पाटकर के बयान न केवल मानहानिकारक थे, बल्कि उनके बारे में नकारात्मक धारणाओं को भड़काने के लिए तैयार किए गए थे। मेधा पाटकर की ओर से लगाया गया आरोप कि शिकायतकर्ता गुजरात के लोगों और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रख रहा है, उसकी ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा पर सीधा हमला है। इसके बाद मेधा पाटकर ने मजिस्ट्रेट के आदेश को सत्र न्यायालय में चुनौती दी गई थी। दो अप्रैल को सत्र न्यायालय ने मेधा पाटकर की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि पाटकर को सही दोषी ठहराया गया था। कोर्ट ने कहा था कि मानहानि मामले में उनकी दोषसिद्धि के फैसले के खिलाफ अपील में कोई तथ्य नहीं था।

मेधा पाटकर ने निचली अदालत के फैसले को दी थी चुनौती

सत्र न्यायालय ने मामले में पाटकर की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए उन्हें आठ अप्रैल को 25,000 रुपये का परिवीक्षा बांड भरने पर अच्छे आचरण की परिवीक्षा पर रिहा कर दिया था और उन पर एक लाख रुपये का जुमार्ना जमा करने की शर्त लगाई थी। इसके बाद सत्र न्यायालय के आदेश को पाटकर ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामले में उच्च न्यायालय ने कहा था कि निचली अदालत के निष्कर्षों में अवैधता या भौतिक अनियमितता थी। दोषसिद्धि का आदेश साक्ष्यों और लागू कानून पर समुचित विचार करने के बाद पारित किया गया

था इसमें कहा गया था कि पाटकर अपनाई गई प्रक्रिया में कोई दोष या कानून में कोई त्रुटि प्रदर्शित करने में विफल रहीं, जिसके परिणामस्वरूप न्याय की विफलता हुई। उच्च न्यायालय ने सजा के आदेश को भी बरकरार रखा। इसमें पाटकर को अच्छे आचरण की परिवीक्षा पर रिहा किया। हालांकि, हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा लगाई गई परिवीक्षा की शर्त को संशोधित कर दिया था, जिसके तहत पाटकर को हर तीन महीने में एक बार निचली अदालत में पेश होना अनिवार्य कर दिया गया था और उन्हें या तो शारीरिक रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने या पेशी के दौरान वकील के माध्यम से प्रतिनिधित्व करने की अनुमति दी गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा है।

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च, दो घंटे तक बंदी रहे सांसद

राहुल-प्रियंका, अखिलेश को लिया हिरासत में, प्रदर्शन के दौरान 2 महिला सांसद बेहोश

- संसद के ठीक बाहर लोकतंत्र पर हमला और उसकी हत्या की जा रही है
- देश में कैसा लोकतंत्र है, सांसदों को चुनाव आयोग जाने की आजादी नहीं

एजेंसी/नई दिल्ली

वोटर वेरिफिकेशन और चुनाव में वोट चोरी के आरोप पर विपक्ष के 300 सांसदों ने सोमवार को संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उन्हें संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई, जहां से 2 घंटे बाद रिहा कर दिया गया। हिरासत में लिए जाने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह संविधान बचाने की लड़ाई है। ये एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है, इसलिए हमें साफ वोटर लिस्ट चाहिए। वहीं प्रियंका गांधी ने कहा कि यह सरकार डरी हुई है और कायर है। मार्च के दौरान अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदकर आगे बढ़ने की कोशिश की। जब सांसदों को आगे नहीं जाने दिया गया तो वे जमीन पर बैठ गए। प्रियंका, डिंपल समेत कई सांसद वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते दिखे। प्रदर्शन के दौरान टीएमसी सांसद मिताली बाग और महुआ मोइत्रा की तबीयत बिगड़ गई। बेहोश हो गईं। राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने उनकी मदद की। इससे पहले दोनों सदनों में इस मुद्दे पर भारी हंगामा हुआ।

बोले राहुल... मैं शपथ पर हस्ताक्षर क्यों करूं

मैं शपथपत्र पर हस्ताक्षर क्यों करूं, यह उनका डाटा है, चुनाव आयोग की मांग पर राहुल का जवाबवोट चोरी विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं शपथपत्र पर हस्ताक्षर क्यों करूं। यह उनका डाटा है, मेरा नहीं। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने सोमवार को कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने बीच में रोककर सभी को हिरासत में ले लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जब चुनाव आयोग द्वारा उनसे 'वोट चोरी' के आरोप पर शपथपत्र पर हस्ताक्षर करने के अनुरोध के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं शपथपत्र पर हस्ताक्षर क्यों करूं? यह उनका डेटा है, मेरा नहीं। उन्हें इसे अपनी वेबसाइट से लेना चाहिए। वे बस ध्यान भटका रहे हैं। और किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि यह केवल बंगलूरू में हुआ है; यह देश के कई निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ है। आज चुनाव आयोग कुछ छिपाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि एक दिन सब कुछ सामने आ जाएगा। राहुल ने कहा कि भारत के लोकतंत्र की हालत देखिए। 300 सांसद चुनाव आयोग से मिलकर एक दस्तावेज पेश करना चाहते थे।

दिल्ली पुलिस बोली- सांसदों ने मार्च के लिए अनुमति नहीं मांगी

मार्च संसद के मकर द्वार से शुरू हुआ। सांसदों के हाथों में वोट बचाओ के बैनर थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि इंडिया ब्लॉक ने मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं मांगी है, इसलिए इलेक्शन कमीशन जाने से पहले ही मार्च को परिवहन भवन के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया।

राहुल बोले- चुनाव आयोग का डेटा फटेगा, खड़गे ने कहा- ये वोटों के अधिकार की लड़ाई

मल्लिकार्जुन खड़गे: यह लोगों के वोट के अधिकार की रक्षा की लड़ाई है। यह लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष है।

कांग्रेस जयराम रमेश: चुनाव आयोग चुनाव आयोग है, ये चुराओ आयोग नहीं हो सकता।

कांग्रेस सांसद अमर सिंह: चुनाव आयोग की समस्या ये है कि वो किसी भी सवाल का जवाब नहीं देता; बल्कि बीजेपी हर सवाल का जवाब देती है। उन्होंने खुद साबित कर दिया कि चुनाव आयोग और सरकार एक ही हैं।

सांसद पप्पू यादव का नोट बांटते वीडियो हुआ वायरल

पूर्णिया। बिहार में बाढ़ पीड़ितों की मदद पप्पू यादव की ओर से मिलनी शुरू हो गई है। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव का पैसे बांटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ितों को 100-100 रुपये के नोट बांटते हुए दिखाई दिए। इस वजह से लोग सवाल पूछ रहे हैं कि वो कितने अमीर हैं। बिहार के दबंग नेता और पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव आजकल सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वो बाढ़ पीड़ितों को 100-100 रुपये के नोट बांटते हुए दिखाई दिए। इस वजह से लोग उनसे सवाल पूछ रहे हैं। कुछ लोग उनके इस अंदाज से नाराज हैं, तो कुछ उनकी तारीफ कर रहे हैं। लेकिन तारीफ करने वाले भी दबे मुंह उनकी संपत्ति के बारे में पूछ रहे हैं कि उनके पास इतने पैसे कहां से आ रहे हैं, पप्पू यादव के पास इतना पैसा कहां से आता है, यह एक सवाल है। जवाब यह है कि पप्पू यादव एक पुश्तैनी अमीर परिवार से हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि उनके परिवार के पास सैकड़ों बीघे जमीन है। वो दिल्ली, पटना और पूर्णिया में अपने आवासों पर लोगों के लिए मुफ्त खाने-पीने और रहने का इंतजाम करते हैं। कोरोना के समय में भी उन्होंने लोगों की बहुत मदद की थी। बाढ़ पीड़ितों पर हर साल लाखों रुपए खर्च करते हैं। वैसे, पप्पू यादव 1983 से सार्वजनिक जीवन में हैं और पहली बार मुखिया का चुनाव जीते थे।

महाराष्ट्र में पिकअप खाई में गिरी, 8 महिलाओं की मौत

एजेंसी/पुणे

महाराष्ट्र के पुणे के पास खेड़ तालुका में कुंडेश्वर मंदिर दर्शन के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप जीप खाई में गिर गई। घटना में 8 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 22 से ज्यादा महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ, जब घुमावदार घाट पर ड्राइवर ने वाहन से कंट्रोल खो दिया और पिकअप पैठ-कोहिंडे बॉर्डर के नागमोड़ी घाट पर 25-30 फीट गहरी खाई में गिर गई।

पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। पिंपरी चिंचवड़ पुलिस के डीसीपी शिवाजी पवार ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि महाराष्ट्र के पुणे में हुई एक दुर्घटना में जान-माल की हानि से दुखी हूं। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से सभी मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

पिकअप में क्षमता से अधिक श्रद्धालु सवार थे : जानकारी के मुताबिक, पिकअप में करीब 30 महिलाएं और बच्चे सवार थे। क्षमता से अधिक श्रद्धालु बैठोने के कारण पिकअप का बैलेंस बिगड़ गया। सावन माह के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। प्रशासन ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को चंदौली के ग्रामीण अस्पताल और आसपास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। कुछ की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

देश के 476 राजनीतिक दलों पर लटकी तलवार

एजेंसी/नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि उसने 476 पंजीकृत लेकिन अप्रतिष्ठित राजनीतिक दलों को लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन दलों ने जरूरी नियमों का पालन नहीं किया है और पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव नहीं लड़ा है। यह कदम उस एक दिन बाद आया है जब आयोग ने ऐसे 334 दलों को लिस्ट से हटा दिया था, जिन्होंने चुनावी कानूनों और नियमों का पालन नहीं किया। आयोग ने बताया कि इस दूसरी सूची में शामिल 476 दल देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी करें और सुनवाई के बाद ही अंतिम निर्णय लें। इसमें सबसे ज्यादा दल उत्तर प्रदेश से 121, महाराष्ट्र में 44, तमिलनाडु में 42 और दिल्ली में 41 से हैं। बिहार, जहां इस साल चुनाव होने हैं, वहां 15 दलों को लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया चल रही है। चुनाव आयोग 2001 से अब तक तीन-चार बार ऐसे निष्क्रिय दलों

नए आयकर विधेयक पर विपक्ष हमलावर

- अखिलेश यादव बोले-ये भाजपा का काम करने का तरीका है

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में आज के दिन भी विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया है। वहीं केंद्र सरकार ने अहम विधेयकों को पारित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया। जिसके परिणामस्वरुप लोकसभा में दो अहम टैक्स विधेयक बिना किसी बहस के ही पारित किए गए। अब इसे लेकर विपक्षी सांसद सरकार पर निशाना साध रहे हैं।लोकसभा में दो अहम टैक्स बिल सोमवार को ही बिना किसी बहस के पारित हो गए। बता दें कि लोकसभा ने सोमवार को कराधान से संबंधित दो विधेयकों- आयकर (संख्या 2) विधेयक और कराधान कानून (संशोधन) विधेयक- को विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच पारित कर दिया। वहीं इन दो विधेयकों को लेकर सपा और कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सपा प्रमुख अखिलेश

यादव ने कहा कि यह भाजपा के काम करने का तरीका है। इतने बड़े फैसले पर सदन में कोई चर्चा तक नहीं हुई। उनकी विदेश नीति देखिए- एक के बाद एक टैरिफ और हमारा पूरा कारोबार चीन पर निर्भर है, तो यह किस तरह का संशोधन है, कोई सोच भी नहीं सकता था कि 20,000 प्राथमिक स्कूल बंद हो जाएंगे। गरीब बच्चों को पढ़ाई का मौका नहीं मिलेगा। तो चाहे जितने आयकर बिल पास कर लो, खुशी नहीं मिलेगी।

गंगा समेत बिहार की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं

बिहार के 7 जिलों में बाढ़, 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित

एजेंसी/नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश-बिहार में तेज बारिश के कारण बाढ़ के हालात हैं। बिहार के 7 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 10 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत बिहार की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। पटना जिले की 24 पंचायतें भी बाढ़ से घिरी हैं। उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां-नाले उफान पर हैं।

मुरादाबाद में रामगंगा नदी उफान पर है। रविवार को एक बाइक सवार इसमें बह गया और फिर 22 घंटे तक एक पेड़ पर बैठा रहा। बाद में उसका रेस्क्यू हुआ। पिछले 24 घंटे में यूपी के 54 जिलों में 5.9 मिमी बारिश हुई। मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों से बारिश बंद थी। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव हुआ है। बंगाल की खाड़ी में 13 अगस्त से लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होगा। इससे पूरे प्रदेश में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा।

अभी कुछ ही जिलों में बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश के हुई लैंडस्लाइड के बाद एनएच-305 का औट-सैंज मार्ग बंद हैं। राज्य की 360 से ज्यादा सड़कों पर यातायात बाधित है। मानसून से जुड़ी घटनाओं में इस सीजन अब तक 116 लोगों की मौत हो चुकी है। 37 लोग अभी भी लापता हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 20 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करके मातली हेलीपैड लाया गया। धराली और हर्षिल में लोगों को भोजन-पानी पहुंचाया जा रहा है। यहां रेस्क्यू जारी है। लोगों को तलाशा जा रहा है। अब तक 1 हजार लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है।

खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना और शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

प्रतिभा खोज मशाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, छाया रहा बक्सर

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना और शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा खोज मशाल खेल प्रतियोगिता 2024 का जिला स्तरीय आयोजन बक्सर में जारी है। 10 से 13 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी खिलाड़ियों का जोश और उत्साह देखने लायक रहा। दिन की शुरूआत सुबह 7 बजे साइकिलिंग प्रतियोगिता से हुई। बालिका वर्ग (अंडर-14, अंडर-16) की रेस इटाढ़ी गुमटी से हुकहां (3 किमी) तक तथा बालक वर्ग की रेस (अंडर-14, अंडर-16) इटाढ़ी गुमटी से पुलिस लाइन (5 किमी) तक आयोजित हुई। बक्सर के जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रतिभागियों को रवाना किया। इस मौके पर वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा बक्सर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, थाना प्रभारी मुफस्सिल थाना, नगर थाना बक्सर के अवर निरीक्षक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

साइकिलिंग में छाए युवा खिलाड़ी

साइकिलिंग प्रतियोगिता में अंडर-14 बालक वर्ग में आकाश कुमार (प्लस टू उच्च विद्यालय, चकनी, ब्रह्मपुर) ने प्रथम स्थान हासिल किया। अंडर-14 बालिका वर्ग में अंशु सिंह (मध्य विद्यालय, ओरापपुर, नावानगर) विजेता रहीं। वहीं अंडर-16 बालक वर्ग में राज प्लस टू उच्च विद्यालय, डुमरांव के आकाश कुमार ने बाजी मारी और अंडर-16 बालिका वर्ग में इटाढ़ी प्रखंड की कृति कुमारी प्रथम स्थान पर रहीं।

विजेताओं मेडल व पदक से कियागया सम्मानित

सभी विजेता खिलाड़ियों को वरीय उपसमाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बक्सर आदित्य कुमार ने मेडल और पदक प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का मौका देते हैं। उन्होंने कहा कि बक्सर जिले के किशोर व युवाओं में क्षमता की कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें बेहतर मंच प्रदान करने तथा तराशने की।

किला मैदान में कबड्डी, वॉलीबाल और फुटबॉल का रोमांच

साइकिलिंग के बाद किला मैदान, बक्सर में कबड्डी, वॉलीबाल और फुटबॉल मुकाबले खेले गए। कबड्डी अंडर-14 बालक वर्ग में प्रखंड बक्सर की टीम ने 36 प्वाइंट के साथ जीत दर्ज की, जबकि सिमरी प्रखंड की टीम 29 प्वाइंट के साथ उपविजेता रही। अंडर-16 बालक वर्ग में बक्सर ने 46 प्वाइंट से ब्रह्मपुर को हराया, जो 36 प्वाइंट के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वॉलीबाल अंडर-16 बालक वर्ग में भी बक्सर का जलवा रहा। यहां बक्सर प्रखंड ने 25 प्वाइंट से सिमरी प्रखंड को मात दी, जो 16 प्वाइंट के साथ उपविजेता बना।

आयोजन में रहा शिक्षकों का अहम योगदान

प्रतियोगिता को सफल बनाने में अशोक कुमार, मदन राम, सत्येन्द्र सिंह, लाल साहब सिंह, सुनील सिंह, अश्वनी राय, संजय राय, अभिषेक सिंह, मो. मुस्लिम, मोहन सिंह, अनिल कुमार पाल, वशिष्ठ प्रसाद, त्रिलोकीनाथ तिवारी, राजू कुमार, अखिलेश पाण्डेय, राकेश रंजन उपाध्याय, रवि प्रकाश, रवि कुमार, राजेश राय, संजय सिंह, धर्मेंद्र कुमार, रंजीत लाल, दयाशंकर पाल, सच्चितानन्द, सत्येन्द्र सिंह यादव, सावित्री यादव, शमा परवीन और ऊषा मिश्रा सहित कई शारीरिक व सामान्य शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दूसरे दिन के इन शानदार मुकाबलों ने यह साबित कर दिया कि बक्सर के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और वे राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। आने वाले दिनों में प्रतियोगिता का रोमांच और बढ़ने की उम्मीद है।

फर्स्ट आईडिया की कार्यप्रणाली पर सांसद सहयोगी चुप...

- डुमरांव विधायक ने तत्कालीन डीएम को सौंपा था पत्र
- डीएम ने डीईओ व पीजीआरओ को दिया था जांच का जिम्मा

केटी न्यूज/बक्सर

अक्सर शिक्षा विभाग की अनियमितताओं पर सवाल उठाने वाले तथा लोक शिकायत का दरवाजा खटखटाने वाले सांसद सहयोगी जिले के नावानगर प्रखंड सहित तीन प्रखंडो में कार्यरत हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आईडिया की कार्यप्रणाली पर चुप्पी साधे बैठे है। जबकि इस कार्य एजेंसी पर नावानगर प्रखंड के विद्यालयों में बिना सफाई कराए भुगतान लेने का गंभीर आरोप है। यह आरोप कोई और नहीं बल्कि खुद डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने तत्कालीन जिलाधिकारी को पत्र लिख लगाया था। जिलाधिकारी को दिए पत्र में विधायक ने जिक्र किया था कि नावानगर प्रखंड में कार्यरत हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया बिना स्कूलों की सफाई कराए ही जिला शिक्षा कार्यालय से भुगतान ले रहा है।

जबकि उक्त कार्य एजेंसी के खिलाफ नावानगर के तत्कालीन बीईओ व बीपीएम ने नाकारात्मक प्रतिवेदन भी दिया था। इस मामले में जिलाधिकारी ने जांच के लिए दो सदस्यीय कमिटी का गठन भी किया था। जिसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी को शामिल किया गया है। बावजूद उक्त कार्य एजेंसी पर न तो कार्रवाई हुई और न ही शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार की पोल खोलने का दंभ भरने वाले सांसद के सहयोगी ने मुंह खोला है। जिससे कई सवाल उठ रहे है। यहां तक कि अभी चंद दिनों पहले नावानगर प्रखंड सहित तीनों प्रखंडो में फर्स्ट आइडिया एजेंसी का फरवरी महीने तक का भुगतान कर दिया गया है। वहीं, दिशा की बैठक में भी फर्स्ट आइडिया समेत हाउस कीपिंग एजेंसियों के मनमानी तथा उसके चयन को लेकर सवाल डुमरांव विधायक ने उठाया था।

मोबाईल कॉल डिटेल्स खोलेगा राज

वहीं, नाम नहीं छापने की शर्त पर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कार्यालय में सांसद सहयोगी अरविंद सिंह तथा अजय सिंह के भयादोहन से अधिकारी परेशान हो गए है। अधिकारी का कहना है कि यदि दोनों के मोबाईल नंबर का कॉल डिटेल्स निकाला जाए तो उनके कार्यशैली का प्रमाण मिल जाएगा। वहीं, एक अधिकारी का कहना है कि दोनों के कॉल डिटेल्स की जांच के लिए जिलाधिकारी व पुलिस कप्तान को आवेदन दिया जाएगा।

सिर्फ जिला शिक्षा कार्यालय तक ही सिमटा काम

सांसद सहयोगी का काम सिर्फ जिला शिक्षा विभाग के कार्यालय तक ही सिमट गया है। जबकि जिले में डीईओ कार्यालय के अलावे कई कॉलेज भी संचालित हो रहे है। सभी सरकारी कॉलेजों में शैक्षणिक व्यवस्था चौपट हो गई है। सभी कॉलेजों में प्राध्यापकों तथा गैर शैक्षणिक कर्मियों के अलावे अन्य जरूरी संसधानों की घोर कमी है। ऐसे में सांसद सहयोगी की चुप्पी से जिले की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार होता नहीं दिखाई पड़ रहा है।

जदयू की बैठक में विधानसभा चुनाव रणनीति पर मंथन
बाहरी प्रत्याशी को लेकर कार्यकर्ताओं का सख्त रुख

केटी न्यूज/चौगाई

चौगाईं स्थित काली मंदिर धर्मशाला में सोमवार को जदयू की संगठनात्मक इकाई की अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा सिंह ने की। बैठक में सभी पंचायत अध्यक्षों और बीएलए-2 को मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत अपने-अपने बूथों पर भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में जिला प्रभारी अभिषेक पटेल, विधानसभा प्रभारी राजेश कुशवाहा, प्रदेश नेता सीताराम सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा, प्रदेश सचिव विनोद राय, अरुण सिंह, गुड्डु ओझा, बिरेन्द्र तिवारी, बृजमोहन साह, सूर्यपाल सिंह, वकील राय, जितेंद्र राम, नंदनी राम और राम प्रताप सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी रहा। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने, मतदाता संपर्क अभियान तेज करने और कार्यकताओं की जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने पर चर्चा हुई। प्रांतीय नेता सीताराम सिंह ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि पार्टी कार्यकर्ता बाहरी उम्मीदवार थोपने के किसी भी प्रयास का विरोध करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता अपने बीच के जुझारू और समर्पित कार्यकताओं को आगे लाना है। यदि टिकट हमारे किसी स्थानीय साथी को मिलता है, तो पूरा संगठन उसे जीताने के लिए जी-जान से जुट जाएगा। नेताओं ने एक सुर में कहा कि चुनाव केवल पार्टी के नाम पर नहीं, बल्कि स्थानीय मुद्दों और जनता से सीधा जुड़ाव रखने वाले प्रत्याशी के दम पर लड़ा जाएगा। वहीं, बूथ प्रबंधन और मतदाता सत्यापन कार्य को समय पर पूरा करने की अपील भी की गई। बैठक के अंत में कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे न केवल चुनावी तैयारी में जुटेंगे, बल्कि जनता के बीच जदयू की नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी भी पहुंचाएंगे, ताकि आने वाले चुनाव में पार्टी को निर्णायक जीत मिल सके।

चौसा में समिति प्रस्ताव हटाने पर विवाद
जदयू प्रखंड अध्यक्ष ने की कार्रवाई की मांग

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड में प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक में पारित प्रस्तावों को सूची से हटाए जाने को लेकर विवाद गहरा गया है। जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य सुरेश चौहान ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) को पत्र सौंपकर जवाब मांगा है और संबंधित कर्मी पर कार्रवाई की मांग की है। मामला 17 जुलाई को हुई समिति की बैठक से जुड़ा है, जिसमें प्रखंड परिसर स्थित सभाकक्ष भवन की मरम्मत, मनरेगा से पौधरोपण और अन्य विकास कार्यों से संबंधित कई प्रस्ताव पारित हुए थे। बैठक में यह सवाल भी उठा था कि वर्ष 2021 में करीब 26 लाख रुपये और वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत लगभग 25 लाख रुपये की लागत से मरम्मत के बावजूद भवन की स्थिति पूरी तरह सुधरी क्यों नहीं। इस पर मरम्मत कार्य की गुणवत्ता को लेकर प्रस्ताव दर्ज कराया गया था। सदस्यों का आरोप है कि बैठक में सर्वसम्मति से पारित इन प्रस्तावों को बाद में सूची से हटा दिया गया। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए चौहान

ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत लिए गए निर्णयों को मनमाने ढंग से बदलना या हटाना गंभीर मामला है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो सदस्य आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे। स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक हलकों में यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों को सूची से हटाने के पीछे कौन-सी मंशा काम कर रही है और क्या यह पारदर्शिता एवं जवाबदेही के सिद्धांतों के खिलाफ नहीं है। इस विवाद ने प्रखंड प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

63 गर्भवती महिलाओं की हुई नि:शुल्क जांच, स्वच्छता और पौष्टिक आहार पर दिया जोर

मातृ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने को चौसा में विशेष शिविर आयोजित

केटी न्यूज/चौसा

चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस के तहत आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंची 63 गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई।

चौसा सीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रमणि विमल के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में गर्भवती महिलाओं का हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्रुप, एचआईवी, हेपेटाइटिस सहित कई जरूरी जांच की गईं। जांच के साथ-साथ उन्हें गर्भावस्था में संतुलित आहार लेने, नियमित जांच कराने और व्यक्तिगत

स्वच्छता बनाए रखने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

डॉ. विमल ने बताया कि मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए गर्भावस्था के दौरान विशेष देखभाल और समय-समय पर जांच बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर तीन महीने पर जांच कराने से खून की कमी, मधुमेह जैसी समस्याओं का समय रहते पता चल सकता है और उनका उचित उपचार संभव हो पाता है।

उन्होंने जानकारी दी कि सामान्यतः प्रत्येक माह की 9, 15 और 21 तारीख को मातृत्व दिवस मनाया जाता है, ताकि अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें। लेकिन इस बार 9 अगस्त को रक्षाबंधन होने के कारण कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया गया।

शिविर में महिलाओं को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों की जानकारी दी गई और सुरक्षित प्रसव के महत्व पर जोर दिया गया। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि पौष्टिक आहार, पर्याप्त आराम और स्वच्छता गर्भवती महिला और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों ने महिलाओं को आयरन, फोलिक एसिड की गोलियां और आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। इसके अलावा, उन्हें गर्भावस्था में किन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, इस पर भी विस्तार से बताया गया।

डॉ. विमल ने ग्रामीण क्षेत्रों में मातृत्व सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने के लिए ऐसे शिविरों के महत्व पर बल दिया और कहा कि सामुदायिक सहयोग से सुरक्षित व स्वस्थ प्रसव को सुनिश्चित किया जा सकता है।

यह शिविर न केवल गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच का अवसर साबित हुआ, बल्कि उन्हें मातृत्व के दौरान अपनाई जाने वाली जरूरी सावधानियों के बारे में जागरूक करने का एक प्रभावी माध्यम भी बना।

एक नजर

एक सप्ताह से नगर में नहीं हो रही सफाई, वार्ड पार्षद उतरे

डुमरांव। नगर की सफाई व्यवस्था में प्रतिमाह 90 लाख रूपया खर्च होने के बाद भी शहर कचरे के ढेर में तब्दिल हो गया है। कचरे का उठाव नहीं होने से लोगों का अपशब्द वार्ड पार्षदों को सुनना पड़ रहा है। ऐसे में कई वार्ड पार्षद सफाई की जिम्मेवारी संभाल मैदान में उतर गए हैं। पार्षदों द्वारा नप के स्वच्छता पदाधिकारी राजीव रंजन के पास शिकायत कईबार किये जाने के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं देख डीएम को आवेदन देकर सफाई एजेंसी की शिकायत दर्ज कराई है। वार्ड चौबीस के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मो. अकरम सोमवार को स्वच्छता पदाधिकारी के पास शिकायत लेकर पहुंचे हुए थे। उन्होंने सफाई एजेंसी के गैरजिमेदराना काम करने की बात कही। इनका कहना था कि विगत दस दिनों से वार्ड 24 में एक भी सफाई कर्मी नहीं गया है, लिहाजा जगह-जगह कूड़े का ढेर लगा हुआ है। इतना ही नहीं आने-जाने वाले लोगों को उसके बदबू से परेशानी तो हो ही रही है, बिमारी फैलने का डर भी सताने लगा है। शिकायत करने पर स्वच्छता पदाधिकारी ने मजदूर भेज सफाई करने का आश्वासन दिया था, लेकिन कोई नहीं पहुंचा तो वार्ड पार्षद प्रतिनिधि के साथ मोहेल्लेवासी सफाई में जुट गए। इसी तरह से दर्जनभर मोहल्लों में लोग गली, रोड और नाली की सफाई में जुट गए हैं। सफाई करने वाले नगरवासी के जुबान पर यही बात थी की नब्बे लाख खर्च के बाद भी वार्डों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। कई ऐसे मोहल्ले हैं, जहां की नालियों की सफाई नहीं होने से पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहकर जलजमाव की स्थिति बना दिया है। जलजमाव होने से नगरवासियों की परेशानी और बढ़ गई है।

स्टेशन रोड मॉल के बाहर बाइक चोरी पुलिस जांच में जुटी

डुमरांव। शहर के व्यस्त स्टेशन रोड स्थित एक मॉल के बाहर से दिनदहाड़े बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। मामले में यूपी के गाजीपुर जिले के जोगा मुसाहिब गांव निवासी गोलू राय ने डुमरांव थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, वह अपनी बहन के साथ मॉल में खरीदारी करने आया था। बाइक (हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस) को मॉल के बाहर खड़ा कर वह अंदर चला गया। करीब आधे घंटे बाद लौटने पर देखा कि बाइक वहां से गायब है। उसने आसपास के इलाके में काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। शहर में हाल के दिनों में इस तरह की चोरी की घटनाएं बढ़ने से आम लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

भाद्रपद की प्रथम सोमवारी पर जंगलीनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, मेला में दिखी रौनक

- हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में टेका माथा, रुद्राभिषेक सहित षोडसोपचार से हुई जंगलीनाथ महादेव की पूजा, हर-हर महादेवह्व के जयघोष से गूंजायामान हुआ शहर, सुरक्षा के थे कड़े इंतजाम, मेला में सैकड़ों दुकानों की सजावट बनी आकर्षण की केन्द्र

केटी न्यूज/डुमरांव

भाद्रपद मास की प्रथम सोमवारी पर डुमरांव के पूर्वी छोर पर स्थित बाबा जंगलीनाथ महादेव मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। सुबह से ही बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लग गया। पूरा इलाका शिवमय हो उठा और ह्लहर-हर महादेवह्व व ह्लजय शिवशंकरह्व के जयघोष से गूंजता रहा। श्रद्धालु दूर-दूर से आकर बाबा के चौखट पर माथा टेकते रहे और अपने जीवन में सुख-समृद्धि व मंगल की कामना की।

वार्षिकोत्सव की शुरूआत आचार्य पं. विंध्याचल ओझा के नेतृत्व में ब्राह्मणों की टीम द्वारा विधिवत रुद्राभिषेक तथा वैदिक मंत्रोच्चार व बाबा जंगलीनाथ महादेव के जयघोष से हुई। पूजन में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें राजपरिवार के चंद्रविजय सिंह, शिवांग विजय सिंह, राजीव रंजन सिंह, पूजा समिति के रमेश कुमार रौनियार, संतोष केशरी, राजू गुप्ता, राजकुमार शर्मा, राजू सिंह, लक्ष्मीनारायण शर्मा आदि शामिल थे। रुद्राभिषेक और पूजन संपन्न होने के बाद समिति ने अंग वस्त्र देकर राजपरिवार के सदस्यों को सम्मानित किया।

रंग-बिरंगे प्रकाश से सजा धाम

वार्षिकोत्सव को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों को रंग-बिरंगी लाइटों व फूलों से सजाया गया था। मंदिर का मुख्य द्वार और गर्भगृह विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए थे। श्रद्धालु सजावट के बीच बाबा के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए कतारबद्ध दर्शन व्यवस्था, पेयजल, बैठने की जगह और प्रसाद वितरण का विशेष प्रबंध किया गया था।

कड़ी सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारी से श्रद्धालु थे खुश

भीड़ के मद्देनजर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मजिस्ट्रेट के साथ-साथ महिला व पुरुष पुलिस बल की तैनाती मंदिर परिसर और मुख्य मार्गों पर की गई थी। पांच स्थानों पर बैरियर लगाकर वाहनों के प्रवेश को नियंत्रित किया गया, जिससे आवागमन सुचारू बना रहे। जगह-जगह लाइट और लाउडस्पीकर की व्यवस्था कर श्रद्धालुओं को दिशा-निर्देश दिए जा रहे थे। प्रशासन की तत्परता श्रद्धालुओं को निश्चिंत कर रही थी। जिससे श्रद्धालु खुश दिखे।

मेले में उमड़ी भीड़, सजीं सैकड़ों दुकानें

वार्षिकोत्सव के साथ-साथ बाबा जंगलीनाथ महादेव के प्रांगण और आसपास के इलाके में भव्य मेला भी लगा। इस मेले में सैकड़ों दुकानों की सजावट देखने लायक थी। बच्चों के खिलौनों, झूलों, मिठाइयों और घरेलू सामान की दुकानें लोगों को आकर्षित कर रही थीं। महिलाएं मेले में खरीदारी करती नजर आईं, वहीं बच्चे झूलों और चाट-पकौड़ी के स्टॉलों का आनंद लेते रहे। जंगलीनाथ शिव मंदिर के वार्षिकोत्सव पर आयोजित मेला आकर्षण का केन्द्र बना रहा। मेले में पारंपरिक व्यंजनों जैसे जलेबी, लड्डू, समोसा और गजक की खूब बिक्री हुई। स्थानीय कलाकारों और दुकानदारों ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर लगने वाला यह मेला पूरे इलाके में प्रसिद्ध है, और लोग साल भर इसका इंतजार करते हैं।

रात तक चलता रहा दर्शन का सिलसिला

दोपहर से लेकर देर रात तक मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भरा रहा। शिवभक्तों की लंबी कतारें मंदिर के मुख्य द्वार से लेकर बाहर की सड़कों तक फैली रहीं। हर उम्र के लोग भक्ति भाव से बाबा का जलाभिषेक और दर्शन करते दिखे। इस दौरान भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आस्था और परंपरा का संगम

भाद्रपद मास की प्रथम सोमवारी को हर साल यह वार्षिकोत्सव आयोजित होता है। स्थानीय मान्यता है कि इस दिन बाबा जंगलीनाथ का दर्शन करने और रुद्राभिषेक में शामिल होने से सभी दुख दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी आस्था के कारण हर साल यहां श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर समिति, प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों की भूमिका सराहनीय रही। श्रद्धालुओं ने भी शांति और अनुशासन के साथ दर्शन और मेले का आनंद लिया।

जयघोष से गूंजा इलाका

दिन भर ह्लहर-हर महादेवह्व और ह्लजय शिवशंकरह्व के जयघोष से पूरा डुमरांव इलाका गूंजता रहा। रात में रंगीन रोशनी और मेले की रौनक ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। श्रद्धालु भक्ति, उल्लास और पारंपरिक उत्सव का संगम देखते हुए घर लौटे, और बाबा से अगले साल फिर मिलने का संकल्प मन में लिए हुए थे।

बक्सर स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, चार शराब तस्कर गिरफ्तार

348 लीटर शराब बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून के बावजूद शराब की तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। रविवार की देर रात बक्सर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने एक बार फिर इस अवैध धंधे पर बड़ी चोट करते हुए चार शराब तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उनके पास से विभिन्न ब्रांड की कुल 348 लीटर शराब बरामद की गई, जिसकी बाजार कीमत करीब 1.90 लाख रुपये बताई जा रही है।

वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दानापुर उदय सिंह पवार के निर्देश पर इंस्पेक्टर आरपीएफ बक्सर कुन्दन कुमार के नेतृत्व में यह सघन जांच अभियान चलाया गया। टीम ने बक्सर आने-जाने वाली ट्रेनों में छापेमारी की। इस दौरान गाड़ी संख्या 03602 के बक्सर स्टेशन पहुंचने पर कोचों में तलाशी ली गई, जिसमें चार संदिग्धों के पास से 14 बोरी शराब मिली। बरामद शराब में ब्लेंडर प्राइड व्हिस्की 60 बोतल (750 मि.ली.), रॉयल स्टैग व्हिस्की 96 बोतल (750 मि.ली.), मैजिक मोमेंट्स व्हिस्की 12 बोतल (750 मि.ली.), किंगफिशर स्ट्रांग बीयर 280 कैन (500 मि.ली.) और मेडुसा स्ट्रांग बीयर 164 कैन (500 मि.ली.) शामिल हैं। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रौशन कुमार, पप्पू कुमार दोनों निवासी यारपुर, थाना गर्दनीबाग, जिला पटना, अमन कुमार, निवासी फुलमाली, थाना साहेबपुर कमाल, जिला बेगूसराय, और रोहित कुमार निवासी रामधनीपुर, थाना गोपालपुर, जिला पटना के रूप में हुई है। छापेमारी दल में आरपीएफ इंस्पेक्टर कुन्दन कुमार, एसआई विजेंद्र मुवाल, एसआई दिनेश चौधरी, एएसआई उमेश कुमार राय के साथ आरपीएसएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम शामिल थी। आरपीएफ ने बरामद शराब और गिरफ्तार अभियुक्तों को जीआरपी बक्सर को सौंप दिया। वहां से सभी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि बिहार में शराबबंदी कानून के तहत शराब का निर्माण, बिक्री, खरीद और सेवन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद तस्कर नए-नए तरीकों से शराब की खेप राज्य में पहुंचाने की कोशिश करते हैं। रेलवे स्टेशन और ट्रेनों का इस्तेमाल कर शराब लाने के मामले अक्सर सामने आते हैं, जिस पर रोक लगाने के लिए आरपीएफ और जीआरपी लगातार संयुक्त कार्रवाई

जनता की भागीदारी से ही सफल होगा राजस्व महा अभियान : जिलाधिकारी

- 16 अगस्त से 20 सितंबर तक जिले में चलेगा डिजिटाईज्ड जमाबंदी सुधार व नामांतरण का विशेष अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में सोमवार को राजस्व विभाग द्वारा संचालित राजस्व महा अभियान के तहत उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और सभी प्रखंडों के अंचलाधिकारी मौजूद रहे।

उद्देश्य स्पष्ट, काम व्यापक

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्व विभाग का यह विशेष अभियान 16 अगस्त 2025 से 20 सितंबर 2025 तक पूरे जिले में चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य डिजिटाईज्ड (ऑनलाइन) जमाबंदी में त्रुटि सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण और छूटी हुई जमाबंदियों का ऑनलाइन अद्यतन करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ कागजी काम नहीं, बल्कि जमीन से जुड़े लाखों लोगों के अधिकार और रिकॉर्ड को पारदर्शी व अद्यतन करने का बड़ा प्रयास है।

घर-घर पहुंचेगी जानकारी

अभियान के तहत अंचल स्तर से मौजावार टीम घर-घर जाकर रैयतों को उनकी जमाबंदी पंजी की प्रति, आवेदन पत्र और सूचना पैम्पलेट उपलब्ध कराएगी। इसके बाद माईक्रोप्लान के अनुसार विभिन्न स्थानों पर विशेष शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में रैयतों से सीधे आवेदन प्राप्त किए जाएंगे और उसी समय रिकॉर्ड में आवश्यक प्रविष्टियां करने की प्रक्रिया शुरू होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी अंचल अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्र में शिविर की तिथि पहले ही तय कर ली है, ताकि जनता समय रहते तैयारी कर सके।

जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील

अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर और डुमरांव, साथ ही भूमि सुधार उप समाहर्ता ने जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को अभियान के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि बिना जनता की भागीदारी के इस तरह के प्रयास आधे अधूरे रह जाते हैं, इसलिए पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार बढ़ाना जरूरी है।

जनता को मिलेगा लाभ

- अधिकारियों के अनुसार इस अभियान से कई तरह के लाभ होंगे।
- जिनकी जमीन के रिकॉर्ड में गलती है, उन्हें सुधार का मौका मिलेगा।
- उत्तराधिकार और बंटवारे के मामलों में लंबित नामांतरण तेजी से निपटेंगे।
- पुरानी और छूटी हुई जमाबंदियों को डिजिटाईज्ड किया जाएगा, जिससे भविष्य में विवाद की संभावना कम होगी तथा रैयतों को ऑनलाइन रिकॉर्ड तक आसानी से पहुंच मिलेगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में दिखा उत्साह

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को आश्वासन दिया कि वे अपने स्तर से अभियान को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाएंगे। कई पदाधिकारियों ने यह भी सुझाव दिया कि शिविरों के समय और स्थान की सूचना गांव-गांव में माइकिंग और सोशल मीडिया के जरिए पहले से दी जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसका लाभ उठा सकें।

प्रशासन का सख्त संदेश

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने यह भी चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति या समूह गलत जानकारी देकर रिकॉर्ड में हेरफेर करने की कोशिश करता है, तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान जनता के अधिकार सुरक्षित करने के लिए है, किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अभियान का महत्व

भूमि रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण न केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत संपत्ति के अधिकारों की रक्षा के लिए भी आवश्यक है। विशेषज्ञों का मानना है कि जमीन से जुड़े विवादों के पीछे सबसे बड़ी वजह रिकॉर्ड में त्रुटियां और अद्यतन की कमी होती है। राजस्व महा अभियान ऐसे विवादों को रोकने और लोगों का विश्वास बढ़ाने का एक ठोस प्रयास है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव, भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर व डुमरांव, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यदि जनता समय पर दस्तावेज लेकर शिविर में पहुंचेगी, तो अभियान न केवल सफल होगा बल्कि जिले के भूमि प्रबंधन में ऐतिहासिक बदलाव लाएगा।

अजीत राय: रंगमंच, सिनेमा और पत्रकारिता के संगम का दीप बुझा

- गांव से दुनिया तक रोशन किया नाम

केटी न्यूज/डुमरांव

देश के सांस्कृतिक, रंगमंच और पत्रकारिता जगत की एक बड़ी हस्ती, चर्चित लेखक, समीक्षक और सांस्कृतिक व्यक्तित्व अजीत राय अब हमारे बीच नहीं रहे। 24 जुलाई को लंदन में हृदयगति रुकने से 58 वर्षीय अजीत राय का निधन हो गया। सोमवार की शाम लगभग 5 बजे उनका पार्थिव शरीर पैतृक गांव कसियां पहुंचा, जहां माहौल गमगीन हो उठा। गांव के आंगन में मौन छा गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

सुबह से ही उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। कोई उन्हें नजरों में श्रद्धा समेटे देख रहा था तो कोई आंखों में आंसू लिए खड़ा था। जिलेभर से लोग, सांस्कृतिक कार्यकर्ता, पत्रकार और आम ग्रामीण उनके अंतिम दर्शन को पहुंचे। एसडीएम राकेश कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि

अजीत राय का योगदान देश के सांस्कृतिक इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

गांव से राष्ट्रीय मंच तक का सफर

अजीत राय का जन्म और प्रारंभिक शिक्षा डुमरांव प्रखंड के कसियां गांव में हुई। स्नातक की पढ़ाई उन्होंने डुमरांव के डीके कॉलेज से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारिता और रंगमंच की दुनिया में कदम रखा। मेहनत, लगन और गहन अध्ययन के बल पर वे जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने लगे।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की प्रतिष्ठित पत्रिका ह्नरंग प्रसंगह्ल के वे संपादक रहे। देश के प्रमुख समाचारपत्रों और पत्रिकाओं में कला, सिनेमा और रंगकर्म पर उनके विचार लगातार प्रकाशित होते रहे। उनकी लेखनी ने न केवल भारत, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी पहचान बनाई।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व

अजीत राय ने कान फिल्म फेस्टिवल समेत कई विश्वस्तरीय फिल्म महोत्सवों में भारतीय सिनेमा के प्रतिनिधि के रूप में शिरकत की। उन्होंने भारतीय फिल्मों को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाकर भारतीय फिल्म उद्योग की गरिमा बढ़ाई।

सादगी और विद्वता का अद्भुत संगम

उनके व्यक्तित्व में गहरी विद्वता के साथ सादगी और सहजता का अद्भुत मेल था। यही कारण था कि वे हर दिल अजीज थे। उनके निधन की खबर फैलते ही सांस्कृतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। सोमवार को कसियां में उनका पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद मुखिया भरत तिवारी, समाजसेवी राजीव रंजन सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व मुखिया गोपाल तिवारी, पूर्व सरपंच रमेश चंद्र राय, निक्कू सिंह, शिक्षक रविशंकर सिंह और मंटू कुमार सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अंतिम श्रद्धांजलि दी।

_ एक युग का अंत

ग्रामीणों ने कहा कि अजीत राय ने कसियां गांव का नाम देश-दुनिया में रोशन किया। उनका जाना न केवल बक्सर जिले, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। चारों ओर से यही स्वर गूंज रहा था कि ह्लऐसे नेक इंसान की कमी हमेशा खलेगी। उनकी रचनाएं, विचार और सांस्कृतिक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनते रहेंगे। अजीत राय का जाना, सचमुच एक युग का अंत है, लेकिन उनकी स्मृतियां और कार्य उन्हें अमर बनाए रखेंगे।

मुकेश पटेल बने नावानगर सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी

नावानगर। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नए चिकित्सा प्रभारी के रूप में डॉ. मुकेश पटेल ने सोमवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। कार्यभार ग्रहण करते ही उन्होंने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और मरीजों से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों के साथ बैठक कर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। डॉ. पटेल ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य सीएचसी में आने वाले मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है। उन्होंने साफ-सफाई, दवा उपलब्धता और आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की बात कही। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और वृद्ध मरीजों की देखभाल को प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को उचित परामर्श और उपचार देने की अपील स्वास्थ्यकर्मियों से की। वही लोगों ने नए चिकित्सा प्रभारी का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में सीएचसी में स्वास्थ्य सुविधाओं में और सुधार होगा।

स्टेशन रोड मॉल के बाहर बाइक चोरी, पुलिस जांच में जुटी

डुमरांव। शहर के व्यस्त स्टेशन रोड स्थित एक मॉल के बाहर से दिनदहाड़े बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। मामले में यूपी के गाजीपुर जिले के जोगा मुसाहिब गांव निवासी गोलू राय ने डुमरांव थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, वह अपनी बहन के साथ मॉल में खरीदारी करने आया था। बाइक (हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस) को मॉल के बाहर खड़ा कर वह अंदर चला गया। करीब आधे घंटे बाद लौटने पर देखा कि बाइक वहां से गायब है। उसने आसपास के इलाके में काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शिकायत दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके। शहर में हाल के दिनों में इस तरह की चोरी की घटनाएं बढ़ने से आम लोगों में चिंता का माहौल है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने की अपील की है।

रात्रि 12 बजे जन्म आरती के साथ मंदिर प्रांगण नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठेंगे

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उत्सव तैयारी में जुटे भक्त, उत्साह के साथ मनाया जायेगा पर्व

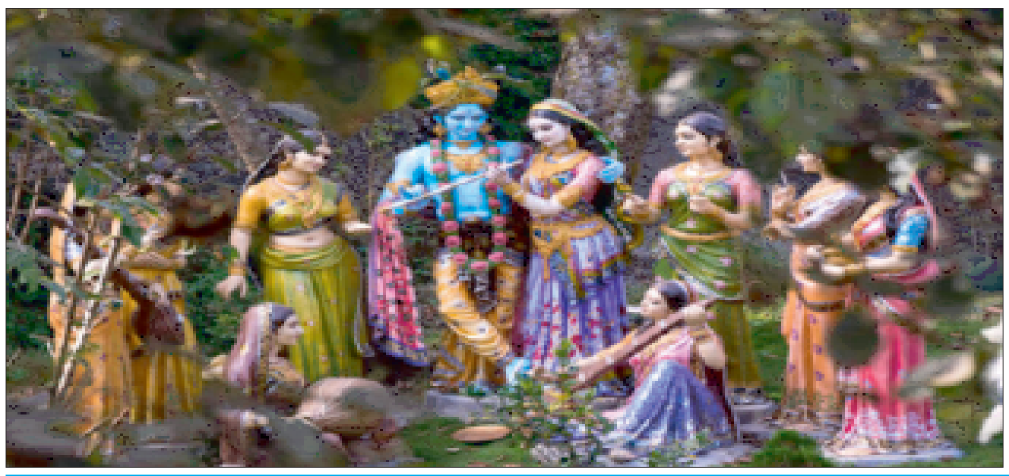

केटी न्युज। रोहतास

16 अगस्त को काराकाट क्षेत्र अंतर्गत सभी शहरी व ग्रामीण इलाकों में श्रद्धा,भक्ति और उत्साह के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जायेगा। नंदलाल के आगमन को लेकर मंदिरों में भव्य सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी,आकर्षक फूलमालाओं और झांकियों की तैयारियां जोरों पर हैं । शहर के प्रमुख मंदिरों से लेकर गांव के देवालयों तक हर जगह भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप की मनमोहक झांकियां सजाई जायेगी। रात्रि 12 बजे जन्म आरती के साथ मंदिर प्रांगण नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठेंगे। भजन-कीर्तन और अखंड संकीर्तन की रसधारा में भक्तजन रातभर झूमते रहेंगे। कई स्थानों पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। जिसमें युवाओं की टोली मानव पिरामिड बनाकर उत्साह और रोमांच का परिचय देगी। वहीं महिलाएं पारंपरिक भजन,सोहर और झूलों के माध्यम से लड्डू गोपाल के जन्मोत्सव का उल्लास व्यक्त करेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर भक्तजन उपवास रखकर भोग अर्पण कर और पंचामृत से भगवान का अभिषेक कर जन्माष्टमी मनाएंगे। नंद के लाल के स्वागत में पूरा काराकाट विधान सभा में भक्तिरस में रंगने को तैयार है। अब बस इंतजार है 16 अगस्त की मध्यरात्रि का जब मंदिरों की घंटियां और श्रद्धा की गूंज एक साथ वातावरण को कृष्णमय कर देगी।

एक नजर

अपने हक के लिए राजनीतिक भागीदारी की लड़ाई लड़ेगा कानू वैश्य समाज

केटी न्युज। रोहतास

तिलौथू थाना क्षेत्र स्थित शिव शक्ति लॉज में आयोजित भारतीय कानू हलवाई वैश्य सभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उपस्थित मुख्य अतिथि आरा के जदयू एमएलसी राधाचरण सेठ ने सभी हलवाई समाज के लोगों को संगठित होने का आह्वान किया। साथ ही सरकार से आबादी के लिहाज से सीट दिए जाने की मांग की गई। इस दौरान प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन भी किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से वीरेंद्र गुप्ता को संयोजक तथा अशोक कुमार गुप्ता को प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकताओं को तथा मनोनीत सदस्यों को राधा चरण सेठ द्वारा सम्मानित भी किया गया। इस दौरान हलवाई कानू वैश्य सभा के कई नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया। मौके पर पूर्व मुखिया बुचुन साह, डोमा साह,संजय गुप्ता ,काजू गुप्ता समेत कई लोग शामिल रहे।

65.5 लाख वोटरों के नाम कटाने का विरोध प्रदर्शन

आरा में भाकपा माले का प्रदर्शन, कहा-नाम वापस नहीं जोड़ने पर करेंगे आंदोलन

- मोदी सरकार गरीबों को मताधिकार से वंचित करना चाहती है-शिव प्रकाश रंजन

केटी न्युज। आरा

एसआईआर के नाम पर गरीबों को मतदाता सूची से नाम काटे जाने के खिलाफ भाकपा-माले के राज्यव्यापी आह्वान के तहत जिला कार्यालय श्रीटोला आरा से मार्च निकालकर बस स्टैंड में सभा आयोजित किया। सभा को संबोधित करते भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य व अगिआंव विधायक शिवप्रकाश रंजन ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार बिहार में इस वर्ष होने वाले बिहार चुनाव में अपनी हार से घबड़ाई हुई है इसलिए रक्फ़कराकर बिहार में 65 लाख मतदाताओं को मतदाता सूची से नाम काट कर उन्हें मताधिकार से वंचित कर रही है। बहुत सारे गरीबों का नाम जिंदा होते हुए भी मृत सूची में नाम डाल दिया गया है। आगे माले विधायक ने कहा कि आज जहां एक तरफ देश आजादी का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है तो दूसरी संविधान में मिले एक मात्र बराबरी के मताधिकार से वंचित कर रही है। जिसे बिहार की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। कार्यक्रम का संचालन भाकपा-माले जिला कार्यालय सचिव दिलराज प्रीतम ने किया कार्यक्रम में भाकपा-माले राज्य कमेटी सदस्य विजय ओझा,नगर सचिव सुधीर कुमार सिंह,राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, आइसा राज्य सचिव शब्बीर कुमार, जिला कमेटी सदस्य नंदजी, बिष्णु ठाकुर, शिवमंगल यादव, निरंजन केसरी,विकास कुमार, रौशन कुशवाहा, संतविलास राम, मिल्टन कुशवाहा, जयशंकर प्रसाद, पंकज कुशवाहा,संजय गुप्ता, अमित मालाकार, अनुप कुमार खुर्शीद आलम, सफी आलम, शिवनाथ चौधरी आदि कई लोग शामिल थे।

संवाद : जनसुराज के भावी प्रत्याशी योगेन्द्र सिंह ने भोजपुरिया अंदाज में लोगों का दिल जीता

केटी न्युज। रोहतास

काराकाट प्रखंड क्षेत्र के हाई स्कूल कुरुर परिसर में सोमवार को जनसुराज पार्टी की ओर से विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने उमड़कर पार्टी की ताकत का एहसास करा दिया।कार्यक्रम में पार्टी के शाहबाद प्रभारी सऊद आलम खान,रोहतास जिलाध्यक्ष हीरालाल कुशवाहा,जिला प्रभारी सौरभ,जिला महासचिव अतेंद्र सिंह,जिला अभियान समिति संयोजक कन्हैया शर्मा,अनुमंडल उपाध्यक्ष सासाराम डॉ. सच्चिदानंद सिंह,विकास पांडेय,रविंद्र सिंह सहित कई वरीय नेता शामिल हुए। सभा में अतिथियों का स्वागत काराकाट

मुखिया,रोहतास मुखिया संघ जिलाध्यक्ष सह काराकाट विधानसभा के भावी प्रत्याशी योगेंद्र सिंह ने पुष्पगुच्छ,फूलमाला व अंगवस्त्र देकर किया। उन्होंने पत्रकारों को भी सम्मानित कर अलग पहचान बनाई।पार्टी के वरीय नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि जनसुराज पार्टी "सही लोग,सही सोच और सामूहिक प्रयास" के सिद्धांत पर बिहार में नई राजनीतिक संस्कृति गढ़ रही है। सुप्रीमो प्रशांत किशोर की बिहार बदलाव यात्रा को जनता का मिल रहा अपार समर्थन,प्रदेश की राजनीति में नए बदलाव का संकेत है। मुखिया योगेंद्र सिंह ने भोजपुरी में जोशीला भाषण देकर सभा में मौजूद जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया और कहा कि हम रउआ सभे के बीच जनमल बानी, रउआ सभे के बीच पलल बानी,आ रउआ सभे के बीच बड़ भइल बानी । रउआ सभे के प्यार,दुलार,स्नेह आ आशीर्वाद ही हमरा के हर काम में सफलता दिलवलस। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से ही हम ग्राम पंचायत काराकाट के मुखिया बने और पूरे रोहतास जिला के 229 मुखिया एकजुट होकर उन्हें निर्विरोध जिला मुखिया संघ का अध्यक्ष चुना । उन्होंने स्पष्ट किया कि मैं प्रशांत किशोर के विजन से प्रभावित होकर पार्टी में आया हूं और यदि पार्टी उन्हें काराकाट से उम्मीदवार बनाती है तो हर कार्य प्रशांत किशोर के नेतृत्व में प्राथमिकता से पूरा कराया जाएगा। सभा में मौजूद भीड़ और नेताओं के जोश से यह स्पष्ट था कि काराकाट में आगामी विधानसभा चुनाव की सरगर्मी अभी से तेज हो चुकी है। मौके पर पार्टी के वरीय नेता,कार्यकर्ता व हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

रील के जुनून में युवा पीढ़ी कर रहें अपना जीवन अंधकार, मौत को दे रहें दावत

केटी न्युज। रोहतास

सोशल मीडिया पर रील बनाने का क्रेज अब युवाओं के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। लाइक्स, फॉलोअर्स और वायरल होने की होड़ में युवा बिना सुरक्षा उपायों के खतरनाक स्टंट करने से भी पीछे नहीं हट रहे। सड़कों पर तेज रफ्तार बाइक चलाना, नदियों के किनारे जोखिम भरे पोज देना, ऊंची इमारतों पर चढ़ना और रेलवे ट्रैक पर वीडियो शूट करना अब आम हो चला है। यह जुनून कई बार उनके लिए मौत का कारण बन जाता है जिले में हाल ही में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां रील शूट करते समय हादसे हुए और युवकों की मौत हो गई या वे गंभीर रूप से घायल हो गए।एक उदाहरण के लिए सड़क पर तेज रफ्तार बाइक से स्टंट कर रहे दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों का कहना है कि यह प्रवृत्ति मानसिक और सामाजिक दबाव का नतीजा है, जहां युवा अपने ऑनलाइन दर्शकों को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की लोकप्रियता और उसमें मौजूद प्रतिस्पर्धा इस जोखिम को और बढ़ा रही है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और सामाजिक संगठन लगातार युवाओं को सावधान रहने की अपील कर रहे हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि खतरनाक जगहों पर स्टंट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अभिभावकों से भी आग्रह किया जा रहा है कि वे अपने बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखें, उन्हें जागरूक करें और सुरक्षित, जिम्मेदार तरीके से तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।

जगदीशपुर किला को राष्ट्रीय धरोहर, बाबु कुंवर सिंह के हवेली को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का मुद्दा लोकसभा में उठा

केटी न्युज। आरा

आरा। लोकसभा के मानसून सत्र में सांसद सुदामा प्रसाद ने जगदीशपुर किला को राष्ट्रीय धरोहर, बाबु कुंवर सिंह के हवेली को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का मुद्दा लोकसभा में उठा। उन्होंने कहा कि बिहार के भोजपुर ज़िले के जगदीशपुर से जुड़े एक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक विषय की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूँ। यह क्षेत्र 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बाबू कुंवर सिंह से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत को परास्त करने में अद्वितीय वीरता और नेतृत्व का परिचय दिया। आज भी उनका योगदान पूरे देश में स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्रोत के रूप में याद किया जाता है।

उन्होंने सदन के मध्य से मांग किया कि

1. बाबू कुंवर सिंह की हवेली, जो एक प्रमुख पर्यटक स्थल बन सकती थी, लंबे समय से जर्जर अवस्था में है और संरक्षण के अभाव में नष्ट होने की कगार पर है।
2. जगदीशपुर किले को अब तक राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा नहीं दिया गया है, जबकि इसका ऐतिहासिक महत्व अत्यंत उच्च स्तर का है।
3. उनकी हवेली और जगदीशपुर से आरा तक की ऐतिहासिक भूमिगत सुरंग के जीर्णोद्धार के लिए अब तक कोई ठोस कार्ययोजना लागू नहीं की गई है।
4. जगदीशपुर में वीर कुंवर सिंह के याद में सैनिक स्कूल और खोला जाए।
5. नयका टोला पर वीर कुंवर सिंह नाम से प्रवेश द्वार व उनकी प्रतिमा का निर्माण कराई जाए।

जगदीशपुर को केंद्रीय पर्यटक स्थल बनाने से वहां के स्थानीय लोगों को विकसित होने के साथ-साथ व्यवसाय में बढ़ोत्तरी व सांस्कृतिक धरोहर और कलाओं से संसार परिचित होगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से कहा कि इन धरोहरों को संरक्षित करने हेतु तत्काल पहल की जाए और जिससे बिहार के इस गौरवपूर्ण इतिहास को सम्मान मिले।

एक नजर

सासाराम रेलवे जंक्शन पर महिला ने दिया बच्चे को जन्म

सासाराम। सासाराम रेलवे जंक्शन पर एक अनोखी घटना सामने आई, जहां एक महिला ने रेलवे स्टेशन पर ही एक बच्चे को जन्म दिया। महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई, जिसके बाद रेलवे पुलिस को सूचित किया गया। रेलवे पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महिला कर्मियों और सफाई कर्मियों को मौके पर भेजा और कपड़े से घेराव कर दिया। महिला ने सासाराम रेलवे जंक्शन पर ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। घटना के बाद तुरंत डॉक्टर पहुंची और मां तथा बच्चे की जांच की, जिसमें दोनों स्वस्थ पाए गए। रेलवे पुलिस ने इस मामले में मानवता का परिचय देते हुए समय पर सहायता प्रदान की। इस घटना की जानकारी सोमवार को दोपहर करीब 12:00 बजे करीब दी गई। रेलवे प्रशासन ने भी इस मामले में त्वरित कार्रवाई की और महिला को आवश्यक सहायता प्रदान की।

पॉस्को एक्ट आरोपी के घर पहुंच पुलिस ने की कुर्की जब्ती

काराकाट। काराकाट पुलिस ने पॉस्को एक्ट के आरोपी ऋषिकेश गिरी के दो घरों की कुर्की जब्ती की है । पुलिस ने आरोपी के घर से टेबल, सिलाई मशीन,कुर्सी,चौकी और बर्तन सहित कुल 36 सामान कुर्की किए हैं। काराकाट थाना क्षेत्र के कांध बहुआरा गांव निवासी रामरेखा गिरी के पुत्र ऋषिकेश गिरी के विरुद्ध 17 दिसंबर 2024 को काराकाट थाने में कांड संख्या 652/24 के तहत मामला दर्ज किया गया था। अनुसंधान के बाद यह मामला पॉस्को एक्ट में तब्दील हो गया। आरोपी ऋषिकेश गिरी पिछले 8 महीनों से फरार चल रहा है। पुलिस द्वारा समन और वारंट जारी करने के बावजूद वह न्यायालय में पेश नहीं हुआ। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर काराकाट पुलिस ने आरोपी के घर पहुंचकर कुर्की जब्ती की कार्रवाई की। काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए यह कार्रवाई की गई है।

बिक्रमगंज अनुमंडल में अपराधियों की नहीं गरजेगी बंदूकें, लोग होंगे भयमुक्त : एसडीपीओ

बिक्रमगंज। बिक्रमगंज अनुमंडल में सोमवार को नए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में आईपीएस संकेत कुमार ने पदभार संभाल लिया। 2022 बैच के इस तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी ने इससे पहले सारण जिले में एएसपी के पद पर अपनी सेवाएं दी हैं और अब बिक्रमगंज में अपराध नियंत्रण व शांति-व्यवस्था बनाए रखने की बड़ी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद एसडीपीओ संकेत कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाना तथा अपराध पर पूरी तरह अंकुश लगाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। क्षेत्र में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं होगी। जनता की सुरक्षा,त्वरित न्याय और पुलिस- जन सहयोग को बढ़ावा देना मेरा संकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि नशा उन्मूलन,सड़क सुरक्षा और युवाओं को अपराध से दूर रखने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएंगे। सभी थानों को निर्देश दिया जाएगा कि वे हर शिकायत पर तत्परता और पारदर्शिता के साथ कार्रवाई करें, ताकि लोगों का पुलिस पर भरोसा और मजबूत हो।

चेनारी विधायक सह पूर्व मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम ने सैकड़ों समर्थकों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया

आगमन : भारतीय क्रिकेटर आकाशदीप का रोहतास में लोगों ने किया भव्य स्वागत

केटी न्युज। रोहतास

इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुए टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के उभरते सितारे आकाशदीप का सोमवार को उनके गृह जिला रोहतास में जोरदार स्वागत किया गया। चेनारी विधायक सह पूर्व मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम ने कैमूर रोहतास बॉर्डर के विधानसभा क्षेत्र के खुरमाबाद स्थित प्रवेश द्वार पर सैकड़ों समर्थकों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया। आकाशदीप के पहुंचते ही स्वागत स्थल पर उत्साह का माहौल चरम पर पहुंच गया। सबसे पहले पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-पाठ संपन्न कराया गया। शंखनाद के साथ स्थानीय लोगों ने बारी-बारी से जिले के इस लाल का सम्मान किया। विधायक गौतम ने इस अवसर पर कहा कि इंग्लैंड की धरती पर शानदार प्रदर्शन कर लौटे आकाशदीप का स्वागत करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने बताया कि पूरे स्वागत यात्रा के दौरान वे स्वयं आकाशदीप की अगुवाई करते हुए उनके वाहन के आगे आगे समर्थकों के साथ चलते रहे और उत्साहवर्धक नारे लगाते रहे। स्थानीय लोगों की भारी भीड़ स्वागत स्थल पर उमड़ी, जिसने कार्यक्रम को एक उत्सव में बदल दिया। जगह-जगह पर लोगों ने तिलक, माल्यार्पण और मिठाई खिलाकर क्रिकेटर का हौसला बढ़ाया। मौके पर विधायक ने कहा मैं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी से व्यक्तिगत मुलाकात कर आकाशदीप जी के प्रदर्शन और उपलब्धियों पर चर्चा करूंगा तथा बिहार सरकार द्वारा उन्हें सम्मान दिलाने का कार्य यथाशीघ्र करूंगा। कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ साथ अधिक खेल प्रेमियों एवं युवाओं की भागीदारी रही।

एसडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई है

गंगा का बढ़ता जलस्तर बना संकट, भोजपुर के 289 स्कूल बंद

हजारों लोग विस्थापित

केटी न्युज। पटना

बिहार में गंगा नदी की विकराल बाढ़ ने भोजपुर जिले के शाहपुर और बड़हरा प्रखंडों के दियारा क्षेत्रों में भारी तबाही मचा रखी है। शाहपुर के दामोदरपुर तटबंध और जवईनिया गांव पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। यहां के दर्जनों घर गंगा में विलीन हो चुके हैं, और सैकड़ों परिवार तटबंध पर तंबू व तिरपाल के नीचे जीवन यापन को मजबूर हैं। जवईनिया गांव में पिछले वर्ष 59 घर कटाव की भेंट चढ़ गए थे। इस वर्ष हालात और भी गंभीर हैं – वार्ड चार और पांच के लगभग 150 घर, मंदिर, पेड़ और जल टंकी गंगा में समा चुके हैं। अब इन वार्डों में केवल एक-दो घर ही बचे हैं। प्रशासन ने करीब पांच किलोमीटर लंबे तटबंध पर टेंट, पंडाल और तिरपाल लगवाकर प्रभावितों के लिए शिविर स्थापित किए हैं। बड़हरा की ख्वासपुर पंचायत के 16 गांवों में करीब एक लाख लोग हर साल छह महीने तक बाढ़ की स्थिति में रहते हैं। इन लोगों के लिए जिला मुख्यालय आरा या प्रखंड मुख्यालय बड़हरा तक पहुंचने के लिए नाव ही एकमात्र साधन है। गंगा पार इस पंचायत की कुल आबादी लगभग डेढ़ लाख है, जो हर साल इसी तरह की पीड़ा झेलती है। प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए आवागमन हेतु निःशुल्क नाव सेवा की व्यवस्था की है। एसडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई है। इसके अतिरिक्त, मेडिकल टीमों को भी शिविरों में तैनात किया गया है, ताकि लोगों को आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा मिल सके। पशुओं के चारे और पीने के पानी की व्यवस्था भी की जा रही है, परंतु जमीनी हकीकत यह है कि संसाधन सीमित हैं और जरूरतें बहुत अधिक। जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों के 289 स्कूलों को 13 अगस्त तक बंद कर दिया गया है, जिससे हजारों बच्चों की पढ़ाई बाधित हो गई है। प्लस टू स्तर के स्कूलों के आवश्यक शैक्षणिक उपकरणों को अन्य सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। जवईनिया गांव के 2500 की आबादी में अधिकतर बिंद, मल्लाह और यादव जातियों के लोग हैं। कुछ ब्राह्मण परिवार भी बाढ़ के कारण विस्थापित हो चुके हैं। कई लोग अपने रिश्तेदारों के पास बिहिया चौरास्ता, बक्सर या ब्रह्मपुर में शरण लेकर किसी तरह जीवन गुजार रहे हैं। धर्मेंद्र बिंद की पत्नी काजल अपने चार माह के शिशु को लेकर टेंट में रह रही हैं। दो साल पहले शादी के समय जिस घर में खुशहाली थी, वह अब गंगा में समा चुका है। काजल बताती हैं, पति परदेस में मजदूरी करते हैं। यहां घर नहीं रहा, तो टेंट ही सहारा है। ऐसे सैकड़ों परिवार हैं जिनके पास न तो रोजगार बचा है और न ही छत।

ज्वेलर्स लूटकांड के आरोपी का पुलिस ने किया एनकाउंटर, पिस्टल-कारतूस बरामद

केटी न्युज। गोपालगंज

बिहार के गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव के पास सोमवार को पुलिस और एक कुख्यात बदमाश के बीच ताबड़तोड़ मुठभेड़ हुई। यह आरोपी हाल ही में धर्मपरसा गांव में स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान में हुई लूट की वारदात में शामिल था। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश बाएं घुटने में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे तुरंत गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और डॉक्टर उसकी देखरेख में इलाज कर रहे हैं। पुलिस ने घायल आरोपी की पहचान छपरा जिले के सीरिश्तापूर, जनता बाजार गांव निवासी स्व. कृष्णा सिंह के 22 वर्षीय बेटे विकास सिंह कुशवाहा के रूप में की है। विकास सिंह पर हत्या, लूट, डकैती और अन्य कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, और वह लंबे समय से फरार चल रहा था।गोपालगंज के एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी कि विकास सिंह कुशवाहा, जो धर्मपरसा ज्वेलर्स लूटकांड का मुख्य आरोपी है, एक और आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया और जलालपुर गांव के पास स्थित एक ईंट भट्ठे (चिमनी) के निकट छापेमारी की।

सीएम नीतीश कुमार ने जारी की सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि

पटना में 766 करोड़ की 6 योजनाओं का सीएम नीतीश कुमार ने किया शिलान्यास, यातायात होगा सुगम

केटी न्युज। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना शहरी (पश्चिमी क्षेत्र) की 766.73 करोड़ रुपये लागत वाली 6 योजनाओं का शिलान्यास किया और अधिकारियों को इन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। यह सभी योजनाएं प्रगति यात्रा के दौरान पटना जिलान्तर्गत की गई घोषणाओं से संबंधित हैं।एम्स गोलंबर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 138.5 करोड़ रुपये की लागत से एम्स गोलंबर-जानीपुर-पैनापुर नेव (बिहटा सरमेरा पटना रिंग रोड जंक्शन) पथ के 2 लेन चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का शिलापट्ट अनावरण किया। यह 10.5 किमी लंबा पथ पश्चिमी पटना के फुलवारीशरीफ, एम्स, दानापुर, नौबतपुर आदि क्षेत्रों को बेहतर संपर्कता प्रदान करेगा और ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करेगा। साथ ही 73.06 करोड़ रुपये की लागत से नौबतपुर-मसौढ़ी पथ के 17वें किलोमीटर पर नौबतपुर लख में 1.015 किमी लंबे फ्लाईओवर का भी शिलान्यास किया गया, जिससे जाम से मुक्ति और मसौढ़ी तक आवागमन सुगम होगा।इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कोथवां, रुपसपुर नहर पर आयोजित कार्यक्रम में 71.48 करोड़ रुपये की लागत से खगौल नेहरु पथ से अशोक राज पथ-रुपसपुर नहर पथ तक 6.9 किमी लंबी सड़क के फोर लेन चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण का शिलान्यास किया। इस परियोजना से पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन और दानापुर-बिहटा एलिवेटेड पथ से संपर्कता में सुधार होगा।

जेपी सेतु तक पहुंचना आसान

नेहरू पथ पर पाटली पथ के नीचे आयोजित कार्यक्रम में 143.86 करोड़ रुपये की लागत से दीघा-एम्स पाटली पथ को दानापुर की ओर नेहरू पथ से जोड़ने के कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना से दीघा से खगौल तक के लोगों को पाटली पथ का लाभ मिलेगा और जेपी सेतु तक पहुंचना आसान होगा। इसी कार्यक्रम में 318.51 करोड़ रुपये की लागत से रुपसपुर नहर से सगुना मोड़ तक 2.7 किमी लंबी नेहरू पथ के दोनों ओर भूमिगत नाला और चौड़ीकरण कार्य का भी शिलान्यास किया गया। यह परियोजना पश्चिमी पटना के यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाएगी। इसके साथ ही 21.35 करोड़ रुपये की लागत से नेहरू पथ से गोला रोड तक 2.20 किमी लंबे पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य की भी आधारशिला रखी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने से पटना शहरी (पश्चिमी क्षेत्र) में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, जाम की समस्या घटेगी और जेपी सेतु व एम्स तक आवागमन आसान होगा। गोला रोड चौड़ीकरण से नए विकसित क्षेत्रों के निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधान पार्षद रविंद्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, सचिव कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर. पुदुकलकट्टी, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस.एम., वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

पटना में दो चचेरे भाइयों को मारी गोली आपसी रंजिश में वारदात को दिया अंजाम

केटी न्युज। पटना

पटना सिटी के मेहंदीगंज थाना क्षेत्र के काठ का पुल मोहल्ले में देर रात आपसी रंजिश के कारण दो युवकों को उनके घर के पास ही गोली मार दी गई. गोली लगने से दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए एनएमसीएच में भर्ती कराया गया. फिलहाल, दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. घायल युवकों की पहचान काठ का पुल मोहल्ला निवासी सोनू कुमार और नीरज कुमार के रूप में हुई है, जो आपस में चचेरे भाई हैं. अपराधियों ने उन्हें पैर में गोली मारी है. घटना के बाद, मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों से बात की. घायल सोनू कुमार ने पुलिस को बताया कि अपराधियों ने आपसी रंजिश के चलते इस वारदात को अंजाम दिया. उन्होंने पुलिस के सामने अपराधियों के नाम भी बताए हैं।

छपरा में भू-अर्जन कार्यालय का क्लर्क 30 हजार घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

सारण। बिहार के सारण जिले से इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है। जहां विजिलेंस की टीम ने एक घूसखोर क्लर्क को गिरफ्तार किया है। उसके पास से कैश बरामद किया गया है। निगरानी विभाग की टीम ने छपरा के भू-अर्जन कार्यालय के क्लर्क को 30 हजार रुपए घुस लेते रंगे हाथ दबोचा है। विजिलेंस की इस कार्रवाई से कार्यालय में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल निगरानी की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है.छपरा में निगरानी विभाग ने छापेमारी करते हुए भू-अर्जन कार्यालय के क्लर्क आकाश मुकुंद को 30 हजार रुपए घुस लेते रंगे हाथों पकड़ा है। इस मामले में निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक पवन कुमार ने बताया कि याचिकाकर्ता सोनपुर गोविन्दचक निवासी हर्षवर्धन कुमार सिंह जिनकी जमीन एनएच निर्माण में एक्वायर हुआ था और उसी के एवज में उन्हें 16 लाख रुपए मिला था। उसी पैसे के दो परसेंट के हिसाब से घूस की मांग भू-अर्जन कार्यालय के क्लर्क आकाश मुकुंद कर रहा था। लेकिन डील 30 हजार पर हुई थी। आज जैसे ही घूस की रकम वो ले रहे थे, तभी निगरानी विभाग की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।मुकुंद के पॉकेट से कैश मिलने के बाद मौजूद भीड़ के सामने ही टीम के सदस्य ने बरामद पैसे का मिलान किया। जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

वोटर लिस्ट पुनरीक्षण में लापरवाही पड़ी भारी

पटना डीएम ने 3 महिला टीचर के खिलाफ ले लिया बड़ा एक्शन, केस दर्ज करने का आदेश

केटी न्युज। पटना

राजधानी पटना में बीएलओ के कार्य में तैनात तीन महिला शिक्षकों के खिलाफ डीएम सह निवार्ची पदाधिकारी ने बड़ा एक्शन ले लिया है। मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने पर डीएम त्याग राजन एसएम ने तीनों महिला शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया है और उनके खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया है। डीएम के सख्त रूख से हड़कंप मच गया है। दरअसल, पटना में बीएलओ के कार्य में लापरवाही और वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश की अनदेखी करने के कारण तीन महिला शिक्षिकाओं को निलंबित कर दिया गया है। ये कार्रवाई दीघा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी की अनुशंसा पर की गई। रविवार को जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने तत्काल प्रभाव से रूपा कुमारी, सलोनी कुमारी और अनुपमा भारती को निलंबित कर दिया। साथ ही लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धाराओं के अंतर्गत इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश भी दिया। तीनों शिक्षिकाओं को बीएलओ के रूप में विभिन्न बूथों पर नियुक्त किया गया था। रूपा कुमारी बूथ संख्या 399, शहीद राजेंद्र प्रसाद सिंह उच्च विद्यालय, सलोनी कुमारी बूथ संख्या 211, प्राथमिक विद्यालय मुरलीचक और अनुपमा भारती बूथ संख्या 48, शास्त्रीनगर राजकीय बालिका उच्च विद्यालय की बीएलओ के तौर पर तैनात किया गया था। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने न तो प्रशिक्षण में भाग लिया और न ही बीएलओ ड्यूटी ज्वॉइन की। यहां तक कि वरीय अधिकारियों द्वारा बुलाए जाने के बावजूद उन्होंने आदेशों को गंभीरता से नहीं लिया। इस घोर लापरवाही के चलते उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

12 13 अगस्त को बंद रहेगा राजेंद्र पुल

उत्तर और दक्षिण बिहार को जोड़ने वाला राजेंद्र पुल 12 अगस्त की रात 10 बजे से 13 अगस्त की सुबह 6 बजे तक मरम्मती कार्य के कारण पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान पुल पर किसी भी प्रकार के वाहनों का आवागमन नहीं होगा। पूर्व मध्य रेलवे ने पुल की सड़क पर स्पेन नंबर 14 की ढलाई के लिए यह अस्थायी रोक लगाई है। मरम्मत कार्य में 118 मीटर लंबाई और 18 मीटर चौड़ाई में सड़क की ढलाई की जाएगी। रेलवे के मोकामा ब्रिज लाइन इंजीनियर और डीपीएम अरुण गुप्ता ने इसकी पुष्टि की है। सभी संबंधित विभागों को इसकी औपचारिक सूचना भेज दी गई है।इस मरम्मती कार्य के दौरान राजेंद्र सेतु से गुजरने से बचने की सलाह दी गई है। जिन यात्रियों को पटना, मोकामा, बख्तियारपुर या लखीसराय जाना है, वे नजदीकी छह-लेन सड़क पुल का उपयोग कर सकते हैं।

बढ़ते खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने सतर्क रहने की चेतावनी दी

पटना में फिर से बढ़ने लगे डेंगू के मामले

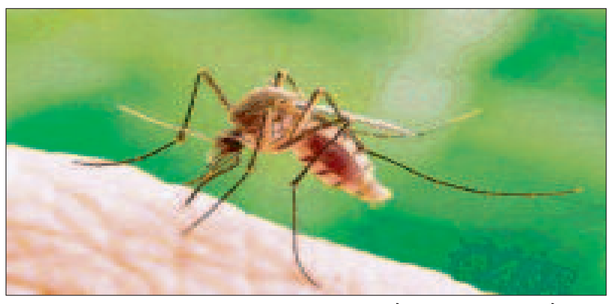

केटी न्युज। पटना

राजधानी पटना में डेंगू के बढ़ते खतरे को देखते हुए सतर्क रहने की चेतावनी दी है, क्योंकि लगातार हो रही बारिश और जलजमाव के कारण शहर के कई इलाकों में मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं, जिससे डेंगू संक्रमण फैलने का खतरा और बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक, जुलाई महीने में पटना जिले में 24 डेंगू के मामले सामने आए थे, वहीं अगस्त के पहले दस दिनों में सात नए मामले रिपोर्ट हुए हैं। खासकर राजेंद्र नगर, कंकड़बाग, पाटलिपुत्र कॉलोनी, अनीसाबाद, अगमकुआं और दानापुर जैसे क्षेत्रों में सड़कों और गलियों में पानी जमा होने से मच्छरों की संख्या में वृद्धि हुई है। नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रभावित इलाकों में फॉगिंग, लार्वा नाशक का छिड़काव और जन जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। डॉक्टरों का कहना है कि डेंगू के लक्षण दिखते ही तुरंत मेडिकल जांच कराएं और घरों में पानी जमा न होने दें। एम्स के प्रोफेसर रवि कीर्ति ने विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सुबह और शाम को पूरी बाजू के कपड़े पहनें, पैंट या लोअर अवश्य पहनें ताकि मच्छरों के काटने से बचा जा सके। रात को मच्छरदानी का इस्तेमाल करें और बुखार आने पर पैरासिटामोल लें, लेकिन अगर तीन दिन तक बुखार में कमी नहीं आती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।इसके साथ ही, विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि डेंगू से बचाव के लिए सामुदायिक स्तर पर भी सफाई और जलनिकासी पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, ताकि मच्छर प्रजनन स्थलों को समाप्त किया जा सके। साथ ही, स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों पर भी नियमित फॉगिंग और सफाई अभियान चलाने की आवश्यकता है।

सुभाषितम्

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।

-जॉर्ज वीनबर्ग

आपदा में दिख रही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता

-हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा देने का कार्य किया है। उनकी कार्यशैली में जनता की सुरक्षा और जनकल्याण पहली प्राथमिकता है जिसका स्पष्ट प्रमाण हाल के दिनों में अतिवृष्टि और बाढ़ के दौरान प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदाओं में किए गए राहत कार्यों और अनेक फैसलों में देखा जा सकता है। प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित निर्णय लेने की सबसे अधिक आवश्यकता किसी भी शासक को होती है। डॉ. मोहन यादव ने अपने अभी तक के कार्यकाल में इस बात को साबित किया है। आपदा की घड़ी में त्वरित निर्णय लेकर अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है। डॉ. मोहन यादव ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि जान-माल की सुरक्षा करना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन दिनों बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे राहत कार्यों की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगातार समीक्षा कर रहे हैं जिसके चलते प्रशासन भी पूरा मुस्तैद नजर आ रहा है। मध्यप्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट के दौरान उन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और प्रशासन के समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोहन सरकार ने अतिवृष्टि से प्रभावित 432 बचाव अभियान चलाकर 3628 नागरिकों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू किया और 53 राहत शिविरों में 3065 लोगों को भोजन, दवाइयां, कपड़े और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की। प्रदेश में तैनात बचाव राहत दलों द्वारा 432 बचाव अभियान चलाए गए जिसमें 3628 नागरिकों तथा 94 मवेशियों को जीवित बचाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव में एक कुशल प्रशासक के साथ एक संवेदनशील राजनेता की छवि भी दिखाई देती है। वे आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए तत्काल पहुंचते हैं और प्रशासन को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी देते हैं। उन्होंने स्वयं आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। गुना में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझकर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उनकी यह संवेदनशीलता न केवल प्रशासन को प्रेरित करती है, बल्कि जनता में भी विश्वास जगाती है कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है। इस चुनौती का प्रशासन ने तत्परता एवं समन्वय के साथ सामना किया। इस दौरान एनडीआरएफ की 70 सदस्यीय टीम द्वारा सघन बचाव कार्य किए। विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं एवं प्रशासनिक अमले ने मिलकर भोजन पैकेट वितरण, अस्थायी आश्रय स्थल की स्थापना तथा आवश्यक सामग्री वितरण जैसे राहत कार्य किए गए।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन, छिंदवाड़ा के बाढ़ प्रभावितों से वर्चुअली चर्चा की और प्रभावितों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अतिवृष्टि और बाढ़ प्रभावितों को अभी तक 58 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरित कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 2025-26 में राहत के विभिन्न मदों में अब तक 123 करोड़ की राहत राशि प्रभावितों को वितरित की गई है। अभी कुछ दिन पहले सीएम डॉ.यादव शिवपुरी जिले के ग्राम पचावली पहुंचकर भीषण बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित राहत कार्यों का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि अतिवर्षा से उत्पन्न परिस्थितियां हमारे लिए परीक्षा की घड़ी हैं। जनता के सहयोग और प्रशासन के समर्पण से स्थिति पर नियंत्रण पाया गया है। उन्होंकने कहा कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उनके इस संवेदनशील और सक्रिय दृष्टिकोण की केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जमकर तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने प्रभावित परिवारों को मकान क्षति और खाद्यान्न के लिए तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही, मक्का और सोयाबीन की फसलों को हुए नुकसान के लिए मुआवजे का निर्देश भी दिया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए और मुआवजा शीघ्र वितरित हो। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव का ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझने और त्वरित कार्रवाई करने का प्रयास सराहनीय है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाढ़ से प्रभावित स्थानीय नागरिकों को मकान क्षति तथा खाद्यान्न के लिए सहायता राशि भी प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां शुरू कर दी थी। 22 जुलाई को उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को बाढ़ की पूर्व तैयारियों के लिए निर्देश दिए और 9 जून को मुख्य सचिव द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और धार में तैनात की गई, जबकि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को संवेदनशील क्षेत्रों में सक्रिय किया गया। पूरे प्रदेश में 259 संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर डिजास्टर रेस्पॉन्स सेंटर स्थापित किए गए और 111 क्विक रेस्पॉन्स टीमें तैनात की गई।इसके अतिरिक्त, 3300 आपदा मित्रों और 80,375 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित किया गया जिससे जन-सामान्य को आपदा प्रबंधन में शामिल किया जा सका। यह दर्शाता है कि डॉ.मोहन यादव का दृष्टिकोण न केवल प्रशासनिक स्तर पर, बल्कि सामुदायिक सहभागिता के स्तर पर भी बेहद प्रभावी रहा है। सरकार द्वारा प्रदेश में अतिवृष्टि प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर अभियान चलाकर उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। इन राहत शिविरों में दवाइयां, भोजन तथा पेयजल त्वरित रूप से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा वैकल्पिक मार्ग तत्काल उपलब्ध। कराये जा रहे है ताकि आवागमन में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को बाढ़ के खतरों के बारे में समय रहते सूचित किया जाये। इस कार्य के लिए राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के द्वारा लगातार रेड अलर्ट मोबाइल के माध्यम से भेजे गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपदा प्रबंधन में बांधों के जलस्तर की सतत निगरानी और गेट खोलने-बंद करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित किया, ताकि बाढ़ से जन-हानि न हो और भविष्य में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहे। इसके अलावा मौसम विभाग की चेतावनियों को समय पर जनता और राहत दलों तक पहुंचाने के लिए मोबाइल रेड अलर्ट सिस्टम और 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए। उनके नेतृत्व में प्रभावित क्षेत्रों में 254 ग्रामीण सड़कों में से 212 का तत्काल सुधार किया गया और बैरीकेड्स लगाकर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई दुर्घटना न ह , साथ ही 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था राहत कार्यों के लिए की गई। उन्होंने जिले के विभिन्न वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि या बाढ़ प्रभावितों को कोई भी कठिनाई न आने पाये। जल्द ही जल्द सर्वे पूरा कर पीड़ितों को उनके नुकसान की समुचित भरपाई की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आपदा के समय न केवल प्रशासनिक स्तर पर सक्रियता दिखाई, बल्कि जनता से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा के लिए अपील भी की। उन्होंने नागरिकों से बाढ़ प्रभावित नदी-नालों में न उतरने, तेज बहाव वाले पुल-पुलियों से आवागमन न करने और कच्चे मकानों में सावधानी बरतने का आग्रह किया। उनकी यह अपील दर्शाती है कि वे जनता को जागरूक करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

देश में समस्याओं की भरमार और कांग्रेस की डिनर डिप्लोमेसी

यह सच है कि हमारा प्यारा हिंदुस्तान आज समुद्र के गर्भ में छुपे रहस्यों को जानने और चांद में क्या चल रहा है इसकी जानकारी वहीं पहुंचकर हासिल करने में सक्षम हो चुका है। यह हमारे वैज्ञानिक जगत की सफलता का चरम पक्ष है। इस गौरवमयी उपलब्धियों से हमें और आगे जाना है, क्योंकि आसमान नापना अभी भी दुनिया के कथित तौर पर चौधरी बनने वाले देशों के वश की भी बात नहीं। हां, भारत इसे पूरा करके जरूर दिखा सकता है। इसकी सीधी और सच्ची वजह यह है कि हमारी संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की है। जो हमें सिखाती है कि पृथ्वी को परिवार मानकर विश्व का कल्याण करना सबसे महत्वपूर्ण है। पर यह सब तभी संभव होगा जबकि हम वैश्विक चुनौतियों से पहले अपने देश में मौजूद अजगर के समान बढ़ रही समस्याओं से निजात पा लें। वर्तमान में देश कई जटिल समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा है। इसमें सबसे बड़ी चुनौती देश में मौजूद आर्थिक असमानता है। देश का संपन्न वर्ग लगातार और धनवान होता चला जा रहा है, जबकि अधिकांश लोग गरीबी रेखा के इर्द-गिर्द ही बने हुए किसी तरह से अपना जीवनयापन करते नजर आ रहे हैं। अमीर और गरीब के बीच की यह चौड़ी खाई यदि और बढ़ती है तो देश की सुख-शांति को भी यह खा सकती है। इसलिए इसका समाधान समय रहते करना ही होगा। इससे हटकर पढ़े-लिखे वर्ग में बेरोजगारी का जो प्रतिशत बढ़ रहा है वह भी गंभीर चिंता है। वहीं देश का प्रत्येक तबका बढ़ती महंगाई से परेशान नजर आ रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य की कमजोर व्यवस्था अपने आप में समस्या बनी हुई है। भ्रष्टाचार चरम पर है, रिश्वतखोरी बदस्तूर जारी है, अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा, जिसे आंकड़ों की बाजीगरी से घटाने की कोशिश भी की जा रही है। आतंकियों की घुसपैठ और आमजन के साथ ही हमारे जवानों का शहीद होना कोई छोटी-मोटी समस्या का हिस्सा नहीं है। इन सब में जलवायु संकट, कृषि संकट और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति देशवासियों का घटता भरोसा किसी ज्वलंत समस्या से कम नहीं है। इन सब के लिए किसे दोषी ठहराया जाए, क्योंकि मुल्क के असली मालिकों ने यदि सत्ता चलाने के लिए स्थिर सरकारें दी हैं तो सिर्फ इसलिए कि देश का कल्याण हो, न कि मनमर्जी से उन्हीं पर शासन करने के लिए बहाने-बहाने से कोड़े बरसाए जाएं। मौजूदा सरकार जिस विकास की बात कर रही है वह चंद लोगों के लिए है, जबकि देश की आमजनता उससे अछूती ही है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी बन जाती है कि वो महज चुनावी जीत तक सीमित न रहें, बल्कि इन समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस नीतियां और कार्ययोजनाएं बनाएं। मगर अफसोस कि भारतीय राजनीति की दिखावटी एकजुटता भी असली मुद्दों से दूर नजर आ रही है। इनके पास ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले मुद्दे हैं, जिनके दम पर ये अपना हित साधने में लगे रहते हैं। थोड़ी देर के लिए इन सब से हटकर विचार करें कि अमेरिका ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान क्या किया, भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में तनाव आ गया। इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जो कहा वह वाकई विचारणीय है। दरअसल उनका कहना है कि आज दुनिया में जो देश दादागिरी कर रहे हैं, वे ऐसा इसलिए कर पा रहे क्योंकि वे आर्थिक तौर पर मजबूत हैं और उनके पास बेहतर टेक्नोलॉजी है। ऐसे में उन्होंने निर्यात बढ़ाने और आयात घटाने का सजेशन दे दिया है। इस पर तो वो खुद भी अमल कर सकते हैं, क्योंकि वर्तमान सरकार का वो हिस्सा हैं। सरकार में रहते हुए नीतियां बनाना और उन्हें अमल में लाना आसान होता है, जबकि विपक्ष में रहते हुए सरकार के काम-काज की खामियां गिनाना आसान होता है, लेकिन उन्हें दूर करने के लिए रास्ता सुझाते हुए उसे मनवा लेना बहुत कठिन काम होता है। यह सच है कि हम आत्मनिर्भर बनकर दुनिया में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विश्वगुरु का सच्चा तमगा हासिल कर सकते हैं, पर यह तभी संभव होगा जबकि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत होगी। इसी बीच खबर है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 11 अगस्त को इंडिया ब्लॉक के सांसदों को डिनर पार्टी देने जा रहे हैं।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

विपक्ष को देशहित में निर्णय लेना चाहिए

- संजय गोस्वामी

विश्वभर में महिलाओं के प्रति हिंसा में बढ़ोत्तरी हुई है जिसमें भारत में भी महिलाओ के प्रति हिंसा हुई है राखी में हर भारतीय का दायित्व है अपने बहन की रक्षा करें जैसे संसद में राहुल गाँधी और उनकी बहन प्रियंका गाँधी दोनों मिल कर सरकार पर तबाड़ तोड़ हमला कर रहें है कहीं सभी विरोधी पार्टी एक जुट होकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहें हैं और चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहें है अब एक साल बाद करने से आपकी पार्टी की ही बदनामी होगी जिस तरह विपक्ष के नेता चुनाव पर धांधली का आरोप वो भी 30 सीटों पर करना समय की बबार्दी होगा जो होता है वो काउंटिंग सेंटर पर होता है जहाँ विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी रहते हैं राहुल गाँधी के कारण ही कांग्रेस पार्टी कमजोर हुई है क्योंकि उनकी बॉडीलैंग्वेज से विपक्ष को फायदा होता है और सत्ता में आती है कभी मोदीजी चोर हैं कभी सेना पर सवाल खड़े करना जायज नहीं है यही नहीं विदेश में लोकतंत्र की हत्या का हवाला देना भी देश के लोकतान्त्रिक ढांचे को कमजोर करता है और इसका फायदा दूसरे देश उठाते है किसी चीज को पहले समझें उसका पुख्ता सबूत है तो कोर्ट का दरवाजा खुला है पब्लिक क्या करेगी आज जब आप देश दुनिया की खबर रखते हैं तो उस पर आवाज उठा दीजिये विदेश में नारी के प्रति हिंसा होती है तो देश से ऊपर उठ कर आवाज उठाएं और उसकी तुलना भारत से करेंगे तो मालूम होगा एन डी ए में महिलाओ का सबसे अधिक वोट मोदीजी को जाता है और दिल्ली में मुख्यमंत्री भी महिला है और देश की महामहिम राष्ट्रपति भी महिला है । अतः अब जब आम आदमी पार्टी के आपके गठबंधन से उसकी लोहे जैसी सरकार टूट गई तो कौन आपसे गठबंधन करेगा बिहार में महागठबंधन की सरकार 2020 में इसलिए नहीं बन पाई की कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी और मात्र 20 सीट ही मिल पाई और इसपर आर जे डी के प्रवक्ता श्री शिवा नन्द तिवारी ने यहाँ तक कह दिया कि कांग्रेस सिर्फ अधिक सीट लेना चाहती है लेकिन जितना जानना नहीं चाहती है पहले आप के यू पी ए सरकार में अपराध और भरस्टाचार के खिलाफ राम लीला मैदान से आपकी सरकार के खिलाफ अण्णा हजारे ने भूख हड़ताल की थी अभी कहाँ है राहुल गाँधी के बोलने की कला खुद आपके पार्टी के नेता को ठीक नहीं लगता है और आपके ही सांसद शशि थरूर का विचार मिल नहीं रहा है अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरीफ पर हंसने लगते हैं जो आम आदमी से जुड़ा मुद्दा है कभी ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल खड़ा करते हैं बोलना बहुत आसान होता है करना मुश्किल ट्रम्प 79 साल के हैं और उनकी पत्नी 56 साल की है अधिकतर देखें जाती है आप भी अपना घर बसाने की कोशिश करें अब सत्ता मिलना मुश्किल है क्योंकि क्षेत्रीय पार्टी को दिल्ली में चुनाव परिणाम के बाद डर सा हो गया है अतः बंगाल में खुद आपके पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते रहते हैं महाराष्ट्र में भी आपके साथ जो सटा वो हट ही गया अतः चुनाव जितना है तो महिलाओ के बारे में उसकी सुरक्षा पर चिंता करें आपकी बोली पढ़े लिखे आदमी को शोभा नही देती और इसलिए मौका रहने पर भी जीत नहीं मिल रही है एक सभ्य आदमी जैसा जनता से बात करेंगे तो आप की गरिमा बढ़ेगी नहीं तो ऐसे सत्ता में आना मुश्किल है जहाँ तक 2024 लोक सभा के चुनाव के परिणाम पर है इलेक्शन कमीशन ने निष्पक्ष चुनाव कराया है क्योंकि उस समय एन डी ए 400 के पार बता रही थी और 291सीट पर सिमट गई वोटर लिस्ट चुनाव में विपक्षी पार्टियों के एजेंट भी देखते हैं और हर बूथ पर नजर डालते है और यह भी जिला प्रशासन का अनुमोदन होता है वो तो ऑनलाइन आप भी देख सकते हैं अतः इस पर चर्चा करना व्यर्थ है चीन से जमीन हड़पने के दावे को सुप्रीम कोर्ट ने अभी अभी आपको समझाया है अतः शांति से काम ले और केवल देश में ही नहीं विदेशों में महिलाओ के बारे में आवाज उठाएंगे तो वहाँ की महिलाओ पर भरोसा होगा एक रिपोर्ट के अनुसार 4 प्रतिशत जापानी महिलाओं ने और 49 प्रतिशत पेरू के ग्रामीण इलाकों की महिलाओं ने उग्र शारीरिक हिंसा का अनुभव किया, जबकि अधिकांश देशों में यह प्रतिशत 13 और 26 के बीच में है। यदि महिलाओं के साथ आंशिक हिंसा का व्यवहार हुआ है तो इस बात की बड़ी भारी संभावना है कि किसी समय उनके साथ उग्र हिंसा का व्यवहार भी हो सकता है। केवल तीन देशों-बंगला देश, जापान, सर्बिया और मोन्टेनेग्रो में उन महिलाओं के साथ, जिनके साथ उग्र हिंसा का व्यवहार किया गया था, औसत दर्जे की हिंसा की समस्या का भी सामना करना पड़ा। उन महिलाओं का अनुपात, जो अपने पुरुष साथियों की शारीरिक हिंसा से पीड़ित हुई, जापान में 13 प्रतिशत से लेकर पेरू के ग्रामीण क्षेत्रों में 61 प्रतिशत तक रहा। जापान में यौन हिंसा का प्रतिशत भी सबसे कम 6 प्रतिशत रहा, जबकि सबसे अधिक प्रतिशत 59 प्रतिशत इथियोपिया में रहा। कुल मिलाकर उन महिलाओं का प्रतिशत, जिनका उनके साथी के द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया, जापान, सार्बिया और मोन्टेनेग्रो में 6 प्रतिशत और इथियोपिया में 59 प्रतिशत रहा। अधिकांश क्षेत्रों में यह प्रतिशत 10 और 50 प्रतिशत के बीच में रहा। उन महिलाओं का प्रतिशत, जिन्हें शारीरिक संभोग के लिए जबरन मजबूर किया गया, सर्बिया और मोन्टेनेग्रो में 4 प्रतिशत और बंग्लादेश और इथियोपिया के ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत रहा। लगभग एक तिहाई इथियोपियन महिलाओं ने पिछले एक वर्ष में किसी साथी के द्वारा उनकी इच्छा के विरुद्ध यौन-संबंध बनाने की शिकायत की। जबरन यौन-संबंध की ऊंची दर एड्स की बीमारी और अधिकांश महिलाओं की अपने-आपको संक्रमण से न बचा पाने वाली कठिनाई के प्रकाश में विशेष रूप से चैंकाने वाली है। आज, पीड़ित महिलाओं की सहायता की आवश्यकता है।हमें विश्वभर में स्वास्थ्य के मामले में स्त्रियों और पुरुषों की लैंगिक समानता का समर्थन करना चाहिए ऐ बात उठाएं और सही समस्या का हल निकाले तो शायद आपका सम्मान बढ़ेगा और जहाँ तक बिहार की बात है नीतीश कुमार की सरकार को हिलाना इतना आसान नहीं है हिलाने में खुद उनकी समर्थन की पार्टी आरजेडी 2024 में चली गई और एनडीए मजबूत हुआ अब तो आदरणीय गृह मंत्री और नीतीश कुमार एक मंच पर देखने को मिले और नीतीश कुमार ने अपनी उपलब्धी एनडीए के पक्ष में दिखलाई अतः वहाँ महा गठबंधन में ही आपस में लड़ रहें हैं ऐसे में कांग्रेस की कोई चिंता कोई नहीं कर रहा है सब अपने अपने सीट बटोरने में जुटी है अतः पहले जमीनी हकीकत को जानने की कोशिश करें भारत जोड़ो यात्रा के कारण सीट मिली है जनता से जुड़े और देश हित में निर्णय ले। अतः विपक्षी पार्टी को देशहित में निर्णय लेना चाहिए।

खुदीराम बोस की शहादत से देश में भड़क उठे स्वतंत्रता संग्राम के शोले

- कुमार कृष्णन

उनका बचपन बस बीता ही था, उनके साथी जब पढ़ाई और परीक्षा के बारे में सोच रहे थे, वह क्रांति की मशाल रौशन कर रहे थे, जिस उम्र में लोग जिंदगी के हसीन ख्वाब बुनते हैं, वह वतन पर निसार होने का जज्बा लिए हाथ में गीता लेकर फांसी के फंदे की तरफ बढ़ गए और देश की आजादी के रास्ते में अपनी शहादत का दीप जलाया। यह थे अमर शहीद खुदीराम बोस। खुदीराम के बगावती तेवरों से घबराई अंग्रेज सरकार ने मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्हें फांसी पर लटका दिया, लेकिन उनकी शहादत ऐसा कमाल कर गई कि देश में स्वतंत्रता संग्राम के शोले भड़क उठे। 11 अगस्त, 1908 को ब्रिटिश सरकार ने सिर्फ 18 साल की उम्र में उन्हें फांसी पर लटका दिया था। खुदीराम बोस का वह उत्साह आज भारत में ब्रिटिश राज के खिलाफ आंदोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है, तो इसका मतलब यह है कि यह केवल उत्साह नहीं था, बल्कि गुलामी थोपने वाली किसी सत्ता की जड़ें हिला देने वाली भूमिका थी। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि महज उन्नीस साल से भी कम उम्र में उसी हौसले की वजह से खुदीराम बोस को फांसी की सजा दे दी गई। लेकिन यहीं से शुरू हुए सफर ने ब्रिटिश राज के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन की ऐसी नींव रखी कि आखिरकार अंग्रेजों को इस देश पर जमे अपने कब्जे को छोड़ कर जाना ही पड़ा। बंगाल के मिदनापुर जिले के हबीबपुर गांव में त्रैलोक्य नाथ बोस के घर 3 दिसंबर 1889 को खुदीराम बोस का जन्म हुआ था, लेकिन बहुत ही कम उम्र में उनके सिर से माता-पिता का साया उठ गया। माता-पिता के निधन के बाद उनकी बड़ी बहन ने मां-पिता की भूमिका निभाई और खुदीराम का लालन-पालन किया था। इतना तय है कि उनके पलने-बढ़ने के दौरान ही उनमें प्रतिरोध की चेतना भी विकसित हो रही थी। दिलचस्प बात यह है कि खुदीराम ने अपनी स्कूली जिंदगी में ही राजनैतिक गतिविधियों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। तब वे प्रतिरोध जुलूसों में शामिल होकर ब्रिटिश सत्ता के साम्राज्यवाद के खिलाफ नारे लगाते थे, अपने उत्साह से सबको चकित कर देते थे। यही वजह है कि किशोरावस्था में ही खुदीराम बोस ने अपने भीतर के हौसले को उड़ान देने के लिए सत्येन बोस को खोज लिया और उनके नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध मैदान में कूद पड़े थे। तब 1905 में बंगाल विभाजन के बाद उथल-पुथल का दौर चल रहा था। उनकी दीवानगी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि उन्होंने नौवीं कक्षा की पढ़ाई भी बीच में ही छोड़ दी और अंग्रेजों के खिलाफ मैदान में कूद पड़े। तब रिवोल्यूशनरी पार्टी अपना अभियान जोर-शोर से चला रही थी और खुदीराम को भी एक ठौर चाहिए था जहां से वह लड़ाई ठोस तरीके से लड़ी जाए। खुदीराम बोस ने डर को कभी अपने पास फटकने नहीं दिया, 28 फरवरी 1906 को वे सोनार बांग्ला नाम का एक इश्तिहार बांटते हुए पकड़े गए। लेकिन उसके बाद वह पुलिस को चकमा देकर भाग निकले। 16 मई 1906 को पुलिस ने उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया। लेकिन इस बार उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। इसके पीछे वजह शायद यह रही होगी कि इतनी कम उम्र का बच्चा किसी बहकावे में आकर ऐसा कर रहा होगा। लेकिन यह ब्रिटिश पुलिस के आकलन की चूक थी। खुदीराम उस उम्र में भी जानते थे कि उन्हें क्या करना है और क्यों करना है। अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ उनका जुनून बढ़ता गया और 6 दिसंबर 1907 को बंगाल के नारायणगढ़ रेलवे स्टेशन पर आंदोलनकारियों के जिस छोटे से समूह ने बम विस्फोट की घटना को अंजाम दिया, उसमें खुदीराम प्रमुख थे।

आज का राशिफल

मेष आज कुछ ऐसे परिवर्तन भी देखने को मिल सकते है, जो आपके पक्ष में होंगे।

तुला आज आपको कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त हो सकती है, जिससे मन खुश रहेगा।

वृषभ आज कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन खुश रहेगा।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन आज उच्च अधिकारियों के सहयोग से कोई बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति प्राप्त हो सकती है।

धनु आज कुछ धन खर्च हो सकता है। साथ ही, सांसारिक सुख के साधनों में भी वृद्धि होगी।

कर्क व्यवसाय के मामले में दिन बहुत शुभ रहने वाला है और आपकी योजनाएं तेजी से आगे बढ़ेंगी।

मकर आज व्यावसायिक क्षेत्र में अपेक्षा के अनुसार लाभ प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह आज दिन अच्छा रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी सफलता प्राप्त होगी।

कुंभ आज दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और खर्चों में भी वृद्धि होने की संभावना है।

कन्या आज कार्यक्षेत्र में समझदारी से सही फैसले लेने से बड़ा लाभ मिल सकता है।

मीन आज आपको किसी पास या दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह लाभदायक हो सकती है।

विशेष

मामा बनेंगे बिहार के चुनाव प्रभारी, चुनाव जीतने की पीएचडी

अगले कुछ महीनो मे बिहार विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। जब झारखंड के विधानसभा चुनाव हुए थे। उस समय केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को प्रभारी बनाया गया था। शिवराज सिंह चौहान को 20 साल से ज्यादा चुनाव जीतने का अनुभव है। मध्य प्रदेश में उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ जीत कराई थी। ऐसी स्थिति में बिहार के चुनाव प्रभारी, शिवराज सिंह उर्फ मामा ही रहेंगे। जहां मामा हैं, वहां भाजपा की जीत है। महिलाएं और भांजे दौड़ दौड़ कर आते हैं। इस बार बिहार में भाजपा को अपना मुख्यमंत्री बनाना है। इस मामले में शिवराज सिंह चौहान को पीएचडी है।

मोदी से बड़े व्यापारी हैं, डोनाल्ड ट्रंप

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार कह चुके हैं। उनके खून में व्यापार है, मोल भाव करने में उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता है। डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं। उसके बाद उन्होंने साबित कर दिया है। उनके खून और पसीने दोनों में ट्रेड ही दौड़ता है। वह 24 घंटे ट्रेड की सोचते हैं, और ट्रेडिंग करते हैं। ऐसी स्थिति में पहली बार मोदी को लग रहा है, उनसे भी बड़ा बाला कोई है। दोस्ती क्या है, जहां पैसा है ,वहां पर दोस्त अपने आप बन जाते हैं। व्यापार में विश्वास देकर ही विश्वासघात किया जाता है। जब विश्वास होता है तभी तो आदमी जाल मे फंसता है। मोदी जी ट्रंप के जाल में फंस चुके हैं। रही सही कसर गौतम अडानी पूरी कर रहे हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1611: रूडोल्फ को बोहेमिया की गद्दी अपने भाई के लिए छोड़नी पड़ी. 1707: प्रशिया और स्वीडन के बीच आपसी सहयोग समझौता हुआ. 1712: स्विस युद्ध समाप्त हुआ. 1766: केदाह मलाया के राजा ने पेनांग ब्रिटेन के हवाले कर दिया. 1863: कंबोडिया फ्रांस संरक्षित देश बना. 1908: क्रांतिकारी खुदीराम बोस को फांसी दी गई. 1929: फलीस्तीन में अरबों ने यहूदियों पर हमला किया. 1935: जर्मनी में यहूदियों के खिलाफ नाजी सैनिकों ने जबरदस्त प्रदर्शन किए. 1937: इराकी तानाशाह बकर सिद्दीकी की हत्या हुई थी. 1945: मित्र राष्ट्रों ने जापान की आत्म समर्पण की पेशकश स्वीकार की. 1952: युवराज हुसैन को जार्डन के शाह बने. 1954: अमरीका ने उत्तर और दक्षिण वियतनाम की राष्ट्र संघ सदस्यता का प्रस्ताव वीटो किया.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

2025 वर्ष का 223 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 10.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 13.01 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 21.34 बजे को समाप्त।
करण गर 10.34 बजे तदनन्तर वणिज 21.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 15'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872433
जूलियन दिन 2460898.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 16

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.04 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	08.16 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.26 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.41 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.57 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.02 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.49 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.52 बजे से
		वृष	23.32 बजे से
		मिथुन	01.30 बजे से
		कर्क	03.44 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

देवघर एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं का विस्तार, सितंबर से शुरू हो रही कई नयी उड़ानें

देवघर, एजेंसी। अगले महीने सितंबर से देवघर से गुवाहाटी की फ्लाइट शुरू हो रही है. सांसद डॉ निशिकांत दुबे के प्रस्ताव पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को देवघर से गुवाहाटी हवाई सेवा के स्लॉट को हरी झंडी दे दी है. बीते करीब छह महीने से देवघर से गुवाहाटी हवाई का प्रस्ताव पाइप लाइन में था. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने इसके साथ ही सितंबर से बेंगलुरू से देवघर की दूसरी फ्लाइट व दुर्गापूजा के बाद मुंबई–देवघर की हर रोज हवाई सेवा शुरू की जायेगी. बेंगलुरू से देवघर की दूसरी फ्लाइट शाम में उड़ान भरेगी. एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से इन दोनों फ्लाइट का स्लॉट बढ़ाने की मंजूरी भी मिल गयी है. 15 सितंबर से शाम में चलने वाली दिल्ली से देवघर की दूसरी फ्लाइट भी शुरू हो जायेगी. इसी सप्ताह से दिल्ली से देवघर की शाम की फ्लाइट की बुकिंग भी चालू हो जायेगी. इसी वर्ष देवघर से हैदराबाद की हवाई सेवा भी चालू करने का प्रस्ताव है. नवंबर तक देवघर से हैदराबाद हवाई सेवा शुरू होगी.

पश्चिमी सिंहभूम में डायन बिसाही के आरोप में वृद्ध दंपती की हत्या, नदी से बरामद हुआ महिला का शव

सोनुवा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के सुदूर और नक्सल प्रभावित गुदड़ी थाना क्षेत्र में डायन बिसाही के संदेह में एक वृद्ध दंपती की हत्या कर दोनों का शव नदी में फेंके जाने का सनसनीखेज घटना सामने आया है।घटना बुधवार की बताई जा रही है, लेकिन वृद्ध दंपती के घर में और कोई सदस्य नहीं होने के कारण घटना की सूचना पुलिस को जल्द नहीं मिला। गुदड़ी बाजार के पास निर्माणाधीन पुलिया के पास नदी में रविवार को वृद्ध महिला का शव पुलिस ने बरामद किया, जिसके गले और सिर में धारदार हथियार से हमला करने का जख्म है।महिला का शव नदी में जहां मिला है, उसके पास कुल्हाड़ी भी बरामद हुआ है। मृतक महिला के पति का शव अबतक नहीं बरामद हुआ है और पुलिस उसकी खोजबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक हत्या की वजह डायन–बिसाही का संदेह या जमीन विवाद हो सकता है। पुलिस ने रविवार को इस हत्याकांड के मामले में एक नाबालिग को निरुद्ध तथा तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिसमें कमरगांव निवासी बिरसा बरजो, सेगो बरजो, लोकनाथ बरजो और एक नाबालिग शामिल है। चारों के खिलाफ डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बेटे ने अपने ही घर में लगायी आग, लाखों रुपये समेत सारा सामान जलकर खाक

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक 19 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में आग लगा दी, जिससे घर में रखे लाखों रुपये नगद और सारा सामान जलकर राख हो गया. जंगलपुर कब्रिस्तान के पास रहने वाले साबिर अंसारी के पुत्र 19 वर्षीय इमरान अंसारी ने कल रविवार को अपने ही घर में आग लगा दी.

बेटे की इस हरकत से दुखी मां आमना खातून ने बताया कि इमरान ने घूमने–फिरने के लिए पिता से एक हजार रुपये मांगे थे. पिता ने बिना काम के इतने पैसे देने से इंकार कर दिया और ऑटो चलाने निकल गये. इसके बाद इमरान ने गुस्से में आकर घर में ही आग लगा दी.

आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो गया. पीएम आवास के तहत मिले पैसे भी जलकर खाक हो गये. इमरान घर में आग लगाने के बाद भी नहीं रुका. आग लगाने के बाद वह हाथ में कुल्हाड़ी लेकर घूमने लगा. इस दौरान इमरान कह रहा था कि जो कोई भी उसे रोकेगा, उस पर वह कुल्हाड़ी से हमला कर देगा. इसी वजह से किसी ने उसके पास जाने की हिम्मत नहीं जुटायी.

संथाली और हिंदी भाषा में छपा ब्रह्मभोज का कार्ड, 16 को संस्कार भोज के साथ कार्यक्रम का समापन

रांची, एजेंसी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के श्राद्धकर्म के लिए कार्ड बंटने शुरू हो गए हैं। कार्ड संथाली और हिंदी भाषा में लिखे गए हैं। कार्ड पर गुरुजी की तस्वीर के साथ दिशोम गुरु वीर शिबू सोरेन भी लिखा है। कार्ड के अनुसार 15 अगस्त को दशकर्म और 16 अगस्त को संस्कार भोज होगा। कार्यक्रम स्थल नेमरा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसके निवेदक हैं। संथाली भाषा को हिंदी भाषा में परिभाषित किया गया है। कार्यक्रम का समापन संस्कार भोज के साथ होगा। सोरेन परिवार के लोग अपनी परंपरा के अनुसार अपने पैतृक गांव नेमरा में शादी, श्राद्ध आदि सभी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते रहे हैं। इधर, श्राद्धकर्म से पहले गोला से नेमरा तक की सड़क को चकाचक कर दिया जाएगा। इसके लिए दिन–रात काम किया जा रहा है। विभाग सड़कों को चकाचक करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। बताया गया कि राज्य के अलावा देश की कई बड़ी हस्तियां श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होंगी। उन्हें सड़क मार्ग से आने–जाने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए पूरे इंतजाम किए जा रहे हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई गणमान्य लोगों ने रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जन्मदिन की बधाई दी।

तंगहाली ऐसी कि परिजन का शव नहीं ला सका परिवार, पुतले का ही किया अंतिम संस्कार

जमुआ, एजेंसी। देश की अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संवारने वाले प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा एक बार फिर सामने आई है। आगरा रेलवे स्टेशन पर एक प्रवासी मजदूर की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतक सिताराम यादव (38 वर्ष) झारखंड के गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड की प्रतापपुर पंचायत के ग्राम अदुवाडीह का निवासी था।

इनके परिवार के साथ विडंबना यह रही कि गरीबी के कारण पीड़ित स्वजन शव नहीं ला पाए। ऐसे में मृतक का पुतला बनाकर उनका अंतिम संस्कार करना पड़ा। सीताराम की मौत शुक्रवार को हुई थी, परिवारजनों को शनिवार को पता चला। जिसके बाद रविवार को पुतला बनाकर दाह संस्कार किया गया।

वह एक वर्षों से आगरा शहर में दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। रेलवे पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। हालांकि प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले हैं, फिर भी मौत के कारणों को लेकर संदेह बना हुआ है।

सीताराम यादव की मौत की सूचना जैसे ही उनके गांव अदुवाडीह पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी, बूढ़ी माता और तीन छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। सबसे हृदय विदारक बात यह रही कि परिवार की अत्यंत कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे शव को आगरा से अपने गांव नहीं ला सके। शव लाने और अंतिम संस्कार की व्यवस्था के लिए पैसे न होने के कारण परिजन असहाय रह गए।

जब आर्थिक तंगी के कारण सीताराम यादव का शव गांव में नहीं लाया जा सका, तो गांव वालों की मदद से स्वजन ने एक पुतला तैयार किया और उसे ही सीताराम यादव का प्रतीक मानकर अंतिम संस्कार की रस्म पूरी की गई। पुतले को शव की तरह सजाया गया। उस पर फूल चढ़ाए गए और पूरे विधि-विधान के साथ मुखाग्नि दी गई।गांव के बुजुर्गों ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार ऐसा दृश्य देखा, जहां गरीबी की वजह से शव नहीं ला पाने की स्थिति में पुतले का अंतिम संस्कार किया गया हो।

इस पूरे मामले में स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर समय पर प्रशासन मदद करता, तो शव को गांव लाकर पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जा सकता था।सीताराम को न तो कोई सहायता राशि दी गई और न ही शव लाने के लिए कोई सरकारी वाहन मुहैया कराया गया। घटना के बाद कई सामाजिक संगठनों ने आगे आकर पीड़ित परिवार के लिए सहायता की मांग की है।

सारंडा जंगल में नक्सलियों ने छिपाकर रखा था आईईडी, मौके पर किया गया नष्ट

चाईबासा, एजेंसी। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान जराईकेला थाना अंतर्गत सारंडा जंगल में नक्सलियों द्वारा पूर्व से लगाए गए एक आईईडी बरामद किया गया है। जिसे सुरक्षाजवानों ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से बताया गया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा एवं अन्य नक्सली अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है। इसे देखते हुए झारखंड पुलिस, कोबरा, सीआरपीएफ और झारखंड जगुआर की टीम द्वारा संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है।दरअसल, 6 अगस्त को चाईबासा पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) नक्सली संगठन के उग्रवादियों ने सुरक्षाबलो को नुकसान पहुंचाने के लिए झराईकेला थाना अंतर्गत जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में गोला-बारूद छिपाकर रखा गया है। इसके तहत चाईबासा पुलिस एवं कोबरा 209 बीएन की संयुक्त टीम द्वारा 07 अगस्त को जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया गया। इस दौरान रविवार को जराईकेला थाना अंतर्गत सारंडा के वन क्षेत्र से नक्सलियों द्वारा पहले से लगाए गए लगभग 05 किलोग्राम वजन का एक आईईडी बरामद किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में सूर्या हांसदा की मौत, ईसीएल परियोजना में गोलीबारी का लगा था आरोप

गोड्डा, एजेंसी। जेएलकेएम नेता सूर्या हांसदा की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई है। एसपी मुकेश कुमार ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। एसपी कुमार ने बताया कि सूर्या हांसदा को गिरफ्तार करने पुलिस की एक टीम गई थी।

देवघर के नावाडीह थाना क्षेत्र से गिरफ्तार करने के बाद उसे लाया जा रहा था। रात में पुलिस सूर्या को अपने साथ जांच के लिए जिरली समारी पहाड़ी पर ले गई, जहां पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। इस दौरान जवाबी कार्रवाई में सूर्या हांसदा मारा गया।

बोआरीजोर थाना क्षेत्र के जिरली समारी पहाड़ी पर बड़ी संख्या में पुलिस और प्रशासन के लोग जुटे हुए हैं। किसी को भी वहां जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है।बता दें कि सूर्या हांसदा की पत्नी सुशीला ने पिछले रविवार को उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी थी। सुशीला ने सूर्या के साथ किसी अनहोनी की आशंका भी जताई थी।

ललमटिया थाना क्षेत्र के डकैता गांव निवासी सूर्या हांसदा पूर्व में भाजपा के नेता रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में जब भाजपा ने बोरियो से लोबिन हेम्ब्रम को टिकट दिया था, तब सूर्या हांसदा ने जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम से टिकट लेकर चुनाव लड़ा था, हालांकि, चुनाव में उनकी बुरी हार हुई थी। सूर्या हांसदा पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

हाल ही में ईसीएल की राजमहल परियोजना के पहाड़पुर क्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना में भी सूर्या की संलिप्तता सामने आई थी। इसके अलावा साहिबगंज के क्रशर मिल में ट्रक और ट्रक जलाने के मामले में भी सूर्या शामिल था।

पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लंबे समय से छापेमारी कर रही थी। बोआरीजोर थाना क्षेत्र के जिरली पंचायत के सामरी, राहरबरिया और जालोकुंडी के बीच पहाड़ियों में पुलिस प्रशासन के जवान जमे हुए हैं।

जमशेदपुर के मानगो पुल से कूदने की कोशिश, राहगीरों की सूझबूझ से बची ऑटो चालक की जान, पुलिस ने समझा कर परिजनों को सौंपा

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के मानगो बड़े पुल पर एक ऑटो चालक ने नदी में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की, लेकिन राहगीरों की तत्परता और किस्मत के संयोग से उसकी जान बच गई। अब इसका वीडियो सामने आया है। वहीं स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक पुल पर लगी लोहे की जाली पर चढ़ गया और कूदने ही वाला था कि उसकी शर्ट जाली में फंस गई। इस दौरान वह कुछ क्षण के लिए वहीं लटक गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत दौड़कर उसे पकड़ लिया और खींचकर सुरक्षित पुल पर ले आए।

सूचना पाकर मानगो थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने युवक को थाने लाकर पूछताछ की और समझाने-बुझाने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बताया जा रहा है कि लोगों ने युवक को पहले ही रेलिंग पर चढ़ते देख लिया था और रोकने की कोशिश की, लेकिन वह जाली पार कर गया था। अगर शर्ट फंसती नहीं, तो वह नदी में छलांग लगा सकता था। युवक मानसिक रूप से खुद को परेशान बता रहा था।

नदी–नालों में जान देने की कई कोशिशें : मीडिया में आई खबरों के मुताबिक मानगो पुल सहित शहर के अन्य पुलों से आत्महत्या के प्रयास नई बात नहीं हैं। बीते दिनों में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। तीन अगस्त को साकची की रहने वाली पूनम ने दोमुहानी पुल से छलांग लगा दी थी। वहां मौजूद मछुआरों ने उसे तुरंत बाहर निकाला और ब्रह्मानंद अस्पताल में भर्ती कराया।

इससे पहले, एक अगस्त की सुबह भुइयांडीह निवासी और बिष्टुपुर में पीजी में रहने वाली सुमित्रा ने अपने बॉयफ्रेंड से विवाद के बाद डोबो पुल से कूदकर जान देने की कोशिश की थी। दो दिन बाद उसका शव बरामद हुआ था। जानकारी के मुताबिक पिछले तीन महीनों में मानगो पुल से कूदकर पांच लोग अपनी जान दे चुके हैं, जबकि कई लोगों को समय रहते बचा लिया गया।

साहिबगंज में गंगा नदी का रौद्र रूप, 1600 घरों में घुसा पानी, बाढ़ प्रभावित स्कूल दो दिन रहेंगे बंद

साहिबगंज, एजेंसी। गंगा नदी में आई बाढ़ को देखते हुए साहिबगंज में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के सभी स्कूलों को दो दिनों के लिए बंद करने का आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, आज 11 अगस्त और कल 12 अगस्त को स्कूल बंद रहेंगे। यह आदेश जिला शिक्षा विभाग द्वारा रविवार देर रात जारी किया गया है।

गौरतलब है कि साहिबगंज में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। गंगा नदी में खतरे का निशान 27.25 मीटर निर्धारित किया गया है। जबकि सोमवार सुबह 6 बजे तक यह 28.62 मीटर मापा गया है जो खतरे के निशान से 1 मीटर 37 सेमी अधिक है। यानी गंगा अब एचएफएल (हाई फ्लड लेवल) की ओर बढ़ने लगी है। ऐसे में दियारा इलाका जलमग्न हो गया है और शहरी क्षेत्र में पानी घुस गया है।

साहिबगंज नगर परिषद के 28 वार्डों में से 11 वार्ड बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं। लगभग 1600 घरों के लगभग 8000 लोग प्रभावित हुए हैं। घरों के आसपास पानी भर जाने से स्कूली बच्चों को परेशानी हो रही है। दियारा क्षेत्र और शहर के कई स्कूलों में पानी घुस गया है। इसे देखते हुए जिला शिक्षा विभाग ने स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया है।

दियारा क्षेत्र के जलमग्न होने से शहर के 11 वार्ड प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित वार्ड नंबर 13 हबीबपुर हुआ है। इस वार्ड के 400 से ज्यादा घरों में पानी घुस गया है। पानी घुसने से वार्ड नंबर 22 चानन गांव सबसे ज्यादा प्रभावित है। इसके अलावा वार्ड नंबर 2, 3, 4, 7, 11, 17, 18, 23, 24 के लोग प्रभावित हैं।

शहर की भरतिया कॉलोनी में भी पानी घुस गया है। घरों में कमर तक पानी भर जाने के कारण लोगों ने चौक बाजार स्थित ए.एम.के. बड़ी धर्मशाला में शरण ली है। इस मोहल्ले में 104 कॉलोनियां हैं जो बाढ़ के कारण दूसरी जगहों पर चली गई हैं।

साहिबगंज नगर परिषद के सिटी मैनेजर बिरेश कुमार ने कहा कि बाढ़ का पानी शहरी क्षेत्र में प्रवेश कर गया है। 28 में से 11 वार्डों के लगभग 1600 घर प्रभावित हुए हैं। लगभग 8000 की आबादी प्रभावित है। निरीक्षण किया जा रहा है। पानी भी दूषित हो गया है। आने-जाने में कठिनाई हो रही है। नावों की व्यवस्था की जाएगी। सभी को राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नगर परिषद के ईओ से बात की जाएगी।

गौरतलब है कि झारखंड के साहिबगंज जिले से होकर गंगा नदी बहती है, जो सावन और भादो के महीने में भारी बारिश के दौरान उफान पर रहती है। गंगा नदी बक्सर से फरक्का तक बहती है। नेपाल से छोड़ा गया पानी सहायक नदियों कोसी नदी के माध्यम से गंगा में प्रवेश करता है, जिससे गंगा का रौद्र रूप और भी उग्र हो जाता है। इससे बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

रांची प्रेस क्लब में हरिनारायण सिंह को दी गई श्रद्धांजलि, अब उनके नाम से जाना जाएगा सभागार

रांची, एजेंसी। झारखंड पत्रकारिता के गुरु हरिनारायण सिंह की स्मृति में रविवार को रांची प्रेस क्लब सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। आयोजन में प्रेस क्लब के पदाधिकारी, विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकार, वरिष्ठ नागरिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना

सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सभा की शुरुआत 2 मिनट के मौन से हुई, जिसके माध्यम से उपस्थित सभी लोगों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मौके पर ही आरपीएस प्रेस क्लब कार्यकारिणी की एक आपात बैठक हुई और इस बैठक में रांची प्रेस क्लब के सभागार का नाम स्वर्गीय हरिनारायण सिंह के नाम से करने का निर्णय लिया गया और इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने हरिनारायण सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि वे केवल एक पत्रकार नहीं थे, बल्कि पत्रकारिता की एक जीवंत संस्था थे। उन्होंने अपने चार दशकों से अधिक लंबे करियर में निष्पक्षता, निडरता और जन सरोकार को हमेशा सर्वोपरि रखा। उनकी लेखनी में मुद्दों की गहराई, तथ्य की मजबूती और भाषा की सादगी का अनोखा संगम देखने को मिलता था।

वरिष्ठ पत्रकार अनुज सिन्हा ने भावुक होते हुए कहा कि हरिनारायण सिंह पत्रकारों की एक फैक्ट्री थे। उन्होंने न केवल खुद उत्कृष्ट पत्रकारिता की, बल्कि सैकड़ों नए पत्रकारों को तैयार किया। उनके मार्गदर्शन में कई पत्रकारों ने अपना करियर शुरू किया और आज वे विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया संस्थानों में काम कर रहे हैं। जीवन के अंतिम क्षण तक वे कलम और खबर के प्रति समर्पित रहे।

सभा में रांची प्रेस क्लब की कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि स्व. हरिनारायण सिंह का योगदान केवल पत्रकारिता तक सीमित नहीं था, बल्कि वे संस्थागत निर्माण और पत्रकारों के हित में संघर्ष के लिए भी जाने जाते थे। रांची प्रेस क्लब की स्थापना और विकास में उनकी भूमिका हमेशा याद रखी जाएगी। नवोदित पत्रकारों ने भी उन्हें अपनी प्रेरणा बताते हुए कहा कि उनकी सादगी, व्यवहार कुशलता और पेशेवर ईमानदारी आज के दौर में एक मिसाल है।

झारखंड के 80 प्रखंडों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान, स्वास्थ्य मंत्री ने खुद दवा खाकर की शुरुआत

रांची, एजेंसी। वर्ष 2027 तक झारखंड को फाइलेरिया मुक्त राज्य बनाने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर 10 अगस्त से मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान की शुरुआत की हुई है। पहले चरण में प्रदेश के 9 जिलों के 80 प्रखंडों में इसकी शुरुआत रविवार से हुई है। राज्य के 9 जिलों (चतरा, गोड्डा, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, हजारीबाग, जामताड़ा, पलामू, लातेहार और दुमका) के 80 चिन्हित प्रखंडों में आज से एमडीए अभियान की शुरुआत हुई। इस अभियान के तहत लगभग इन 80 प्रखंडों के करीब 1.42 करोड़ की आबादी में से 1.27 करोड़ लोगों को डीईसी, अल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन दवा निशुल्क खिलाई जाएगी।

इस कार्यक्रम में अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग डॉ. बीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को सफल बनाने के लिए अन्य विभागों, जैसे शिक्षा विभाग, आईसीडीएस, पंचायती राज विभाग, शहरी विकास विभाग, पेयजल और स्वच्छता विभाग, आजीविका, पीएचईडी का भी सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में फाइलेरिया से मुक्ति के लिए आज बूथ के माध्यम से और घर-घर जाकर, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी लोगों को उनकी उम्र के अनुसार निर्धारित खुराक प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा, अपने सामने दवा खिलाई गयी। 11 से 25 अगस्त तक घर घर जाकर फाइलेरिया से बचाव की दवा स्वास्थ्य कार्यकर्ता सभी पात्र लोगों को अपने सामने खिलाएंगे।

09 जिलों के 80 चिन्हित प्रखंडों में आज से शुरू हुई एमडीए अभियान की शुरुआत राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने खुद दवा खाकर इस अभियान की शुरुआत जामताड़ा से की। स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मैंने दवा ली है, आप भी लें। हर हाल में झारखंड को फाइलेरिया मुक्त बनाना है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि वर्ष 2027 तक झारखंड को पूरी तरह फाइलेरिया मुक्त घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है। स्वस्थ झारखंड, सक्षम झारखंड के विजन को साकार करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा कि आप यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र व्यक्ति दवा खाने से वंचित न रहे।

सिर्फ शारीरिक अपंगता नहीं लाता है फाइलेरिया

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि फाइलेरिया केवल शारीरिक अपंगता नहीं लाता। बल्कि व्यक्ति के आत्मसम्मान, आजीविका और मानसिक स्वास्थ्य को भी गहरी चोट पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि इस बीमारी को रोका जा सकता है। वह भी साल में केवल एक बार दी जाने वाली दवा के उपयोग से बीमारी को रोका जा सकता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जामताड़ा के लोगों की दुआओं से मैं विधायक बना फिर मंत्री बना। इसलिए राज्य का कोई भी बड़ा कार्यक्रम सबसे पहले जामताड़ा से ही शुरू होगा। डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि विपक्ष का काम सिर्फ आलोचना करना भर रह गया है। लेकिन जहां काम होता है वहीं आलोचना होती है। डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें, सबसे पहले स्वयं दवा लें और अपने परिवार के हर सदस्य को भी अवश्य दवा खिलाएं। हमारा गांव, हमारी पंचायत, हमारे शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्यकर्मी और मीडिया- सभी मिलकर इसे एक जन-आंदोलन बनाएं। जामताड़ा से शुरू हुए एमडीए अभियान शुभारंभ कार्यक्रम में जामताड़ा के सिविल सर्जन डॉ. आनंद मोहन सोरेन, जामताड़ा के अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार, विश्व स्वास्थ्य संगठन के डॉ अभिषेक पाल और अन्य पदाधिकारी भी शामिल हुए।

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

शॉपिंग लिस्ट में शामिल करें को-ऑरड्स

कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, मौसम के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

जन्माष्टमी के मौके पर घर की ऐसे करें सजावट

भगवान कृष्ण के जन्मदिन के मौके पर लड्डू गोपाल का मंदिर से लेकर घर को सजाने के लिए फूल की तोरण और कलरफुल साड़ी का इस्तेमाल कर सकती हैं।

जन्माष्टमी का पर्व आने वाला है, इस दौरान लोग लड्डू गोपाल का जन्म को खास बनाने के लिए घर और मंदिर को सजाते हैं। इस पर्व को लोग कृष्ण जन्माष्टमी या गोकुलाष्टमी भी कहते हैं। यह पर्व श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। पूरे देश में इस त्योहार को अलग-अलग तरीके जैसे रास लीला, दही हांडी इत्यादि तरीके से सेलिब्रेट करते हैं। अगर आप इस मौके पर अपने घर को सजाने के लिए कुछ यूनिक आइडिया ढूंढ रही हैं,तो आप यहां से सजावट के तरीके देख सकती हैं।

गुब्बारे और फूल से सजाएं घर

लड्डू गोपाल का जन्मदिन मनाने के लिए आप घर को फूल और गुब्बारे से सजाएं। रंग बिरंगे गुब्बारों को घर की दीवारों, मंदिर के इर्द गिर्द लगाएं। साथ ही फूलों का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अलग-अलग रंग के फूल की माला बनाकर मुख्य द्वार पर लगाएं।

झालर लाइट का करें इस्तेमाल

भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण का जन्म के मौके पर आप अपने घर को मोमबत्ती, दीपक या झालरों लाइट्स का उपयोग कर सकती हैं। झालर लाइट को डोरी पर बांधकर छत से लटका सकती हैं। इसके अलावा मंदिर को सजाने के लिए इसके इर्द गिर्द झालर और दीपक रखें। लगा सकते हैं।

घर के मुख्य द्वार पर लगाएं झूला

कृष्ण जन्माष्टमी पर आप घर के बाहर भगवान का द्वार सजा सकती है। इसके लिए घर के बाहर के हिस्से पर लड्डू गोपाल के लिए झूला लगाकर उसे फूल और लाइट की मदद से सजाएं और झांकी बनाए।

रंगोली से सजाएं घर

हिंदू धर्म में रंगोली का खास महत्व है। इस मौके पर आप घर को रंगोली से सजा सकते हैं। इसके लिए आप अलग-अलग रंग और फूल का उपयोग कर सकती हैं। यह त्योहार की खुशी और घर सुंदरता को कई गुना बढ़ाने का काम करता है।

घर को सजाने में इन चीजों का करें इस्तेमाल

घर एक ऐसी जगह होती है, जहां हम खुद को सबसे ज्यादा सुकून में महसूस करते हैं। इसे सजाने का तरीका सिर्फ खुद की पसंद को ही नहीं दिखाता, बल्कि यह पड़ोसियों और मेहमानों पर भी गहरी छाप छोड़ता है। अगर आपके पास खड़ूस पड़ोसी हैं जो हमेशा शिकायत करते हैं, तो इन सजावटी आइटम का इस्तेमाल करके उन्हें भी वाहवाही करने पर मजबूर कर सकते हैं। आज हम आपको घर सजाने के कुछ अनोखे और क्रिएटिव आइडियाज बताने वाले हैं।

वॉल आर्ट

हैंडमेड वॉल आर्ट आप अपने घर के दिवारों पर लगा सकती है। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। साथ ही यह आपके घर की खूबसूरती को बढ़ाने में आपकी मदद भी करता है। ऐसे में आप चाहे तो खुद से घर पर आसानी से वॉल आर्ट बना सकते हैं।

हाउस प्लांट्स का जादू

हाउस प्लांट्स का जादू आपको घर को खूबसूरत बनाने में मदद कर सकता है। जी हां, आप चाहे तो हाउस प्लांट्स की मदद से भी अपने घऱ को खूबसूरत लुक दे सकते हैं। खूबसूरत गमले और छोटे-छोटे इनडोर प्लांट्स को लिविंग रूम या बालकनी में रखें।

फ्रेश फ्लावर्स

फ्रेश फ्लावर की मदद से भी आप चाहे तो अपने घर की सजावट कर सकती है। यह आपके घर को फर्श रखने में मदद करता है साथ ही आपके घऱ की खूबसूरती को भी बढ़ाता है। ऐसे में आप चाहे तो गुलाब या लीली का फूल अपने घऱ को सजाने के लिए इस्तेमाल कर सकती है।

सोच-समझकर चुनें घर की दीवारों का फ्लोरिंग कलर

वास्तुशास्त्र के मुताबिक घर की दीवारों का रंग चुनने से कई वास्तु दोष दूर होते है। ठीक इसी प्रकार फ्लोरिंग कलर भी सोच-समझकर चुने क्योंकि यह सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का संकेत हैं।

कहते है कि रंगों का हमारी जिदंगी में गहरा प्रभाव पड़ता है। बात अगर वास्तुशास्त्र की करें तो इसके मुताबिक घर की दीवारों का रंग चुनने से कई वास्तु दोष दूर होते है। ठीक इसी प्रकार फ्लोरिंग कलर भी सोच-समझकर चुने क्योंकि यह सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का संके हैं। चलिए आज हम आपको दिशा के मुताबिक फर्श के रंगों के बारे में बताते है जिनसे घर में पॉजिटिव एनर्जी का वास होता है।

पूर्व दिशा

घर की पूर्व दिशा भगवान सूर्य को भी समर्पित मानी जाती है। अगर इस दिशा के वास्तु दोष सही हो तो समाज में मान-सम्मान बना रहता है। अगर आप भी यही चाहते है तो घर की इस दिशा का फर्श डार्क ग्रीन कलर चुनें।

पश्चिम दिशा

वास्तु के मुताबिक, घर की पश्चिम दिशा में लक्ष्मी जी का वास होता है। इसलिए इस दिशा को दोषमुक्त रखने के लिए फर्श का रंग व्हाइट चुनें। ध्यान रखें कि इसपर कोई आकृति या डिजाइन न बनी हो।

उत्तर दिशा

अगर घर में खुशहाली चाहते है तो घर की उत्तर दिशा में डार्क ब्लेक कलर का फर्श लगवाना चाहिए क्योंकि इसे धन-कुबेर का स्थान माना जाता है।

दक्षिण दिशा

दक्षिण दिशा की तरफ कभी भी घर का प्रवेश द्वार नहीं होना चाहिए। वहीं, पति-पत्नी का बेडरूम भी इस दिशा में नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे उनकी बीच लड़ाई-झगड़े बने रहते है। अगर चाहते है कि घर की इस दिशा से जुड़े वास्तु दोष दूर हो जाए तो फर्श का रंग हमेशा डार्क रेड चुनें।

उत्तर-पूर्व दिशा

इस जगह पर भगवान शिव का वास माना गया है। बात शिव जी की करें तो उन्हें आसमानी व नीला रंग बेहद पसंद होता है इसलिए इस दिशा का फर्श यानी फ्लोर भी इन्हीं रंगों में सिलेक्ट करें।

दक्षिण-पूर्व

घर की इस दिशा को सृष्टि के रचियता ब्रह्मा की दिशा कहा जाता है इसलिए इस दिशा में बैंगनी यानी पर्पल कलर का फर्श डलवाएं।

दक्षिण-पश्चिम दिशा

इस दिशा में हल्के रंगों का इस्तेमाल करना चाहिए। यहां तक कि फर्श का रंग भी हल्का गुलाबी ही चूज करें। इससे घर में पॉजिटिविटी बनी रहेगी।

उत्तर-पश्चिम दिशा

इस दिशा की दीवारों, पर्दों और यहां तक कि फर्श का रंग भी ग्रे होना चाहिए क्योंकि यह रंग इस दिशा के लिए सबसे शुभ माना जाता है।

15 अगस्त पर जींस के साथ पहनें ये टी शर्ट

15 अगस्त का दिन हर भारतवासी के लिए खास होता है। इस दिन हर कोई झंडा लहराता है। ऐसे में उनके कपड़े पहनने का अंदाज तिरंगे जैसा होता है। कई सारी महिलाएं इस दिन साड़ी पहनती हैं, तो कुछ सूट को स्टाइल करती हैं। लेकिन अगर आपको अपने लुक में कुछ चेंज करना है, तो आप जींस और टी-शर्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

जींस और टी-शर्ट पहनने में काफी कंफर्टेबल होती है। साथ ही, पहनने के बाद अच्छी लगती है। चलिए आपको बताते हैं किस तरह की टी-शर्ट को आप जींस के साथ स्वतंत्रता दिवस पर पहन सकती हैं।

वंदे मातरम वाली टी-शर्ट करें स्टाइल

अगर आपको कुछ अलग ट्राई करना है, तो आप इस तरह के तिरंगे वाली वंदे मातरम लिखी हुई टी-शर्ट को स्टाइल कर सकती हैं। यह टी-शर्ट प्लेन होती है। बस आपको इसमें बीच में एक प्रिंट मिलता है, जिसमें आप वंदे मातरम या भारत माता की जय वाला प्रिंट भी ले सकती हैं। यह टी-शर्ट ब्लू जींस के साथ अच्छी लगेगी। इसमें आपका लुक भी अलग दिखेगा। मार्केट में इस तरह की प्रिंटेड टी-शर्ट आपको 100 से 250 रुपये में मिल जाएगी।

स्लोगन वाली टी-शर्ट

अगर आपकी देशभक्ति को और ज्यादा बढ़ाना है, तो आप ऐसे में स्लोगन वाली अलग-अलग डिजाइन की टी-शर्ट खरीद सकती हैं। इसमें आपको हर तरह के स्लोगन लिखे हुए मिलेंगे। इससे आपकी टी-शर्ट अलग नजर आएगी। इसमें आप कलर के साथ प्रिंट को भी चेंज करके ले सकती हैं। मार्केट में इस तरह की टी-शर्ट आपको 200 से 250 रुपये में मिल जाएगी। इसके साथ आपको ज्यादा एक्सेसरीज स्टाइल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दिल है हिंदुस्तानी टी-शर्ट

हर किसी का दिल हिंदुस्तानी होता है। इस तरह की टी-शर्ट भी पहनने के बाद अच्छी लगती है। साथ ही, इसमें प्रिंट भी आपको काफी खुला-खुला मिलता है। इसकी वजह से टी-शर्ट डिजाइन अच्छा लगता है। इसमें आप व्हाइट, ऑरेंज या ग्रीन कलर की टी-शर्ट को खरीद सकती हैं। साथ ही, इसे तिरंगे के प्रिंट में डिजाइन को खुद भी कस्टमाइज्ड करा सकती हैं। मार्केट में प्लेन टी-शर्ट आपको 100 से 200 रुपये में मिल जाएगी। इसपर प्रिंट करवाने के लिए आपको 150 रुपये देने पड़ेंगे।

इस बार 15 अगस्त को खास बनाने के लिए पहनें प्रिंटेड डिजाइन वाली टी-शर्ट। इसमें आप कम्फर्टेबल रहेंगी। साथ ही, आपका लुक भी अलग दिखाई देगा।

पर्सनल लोन
ज्यादा कर्ज लेना लंबी अवधि के लिए मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी। पैसा बाजार की एक ताजा स्टडी के मुताबिक, देश के 27 फीसदी लोग पर्सनल लोन लेकर घूमने-फिरने और मौज-मस्ती पर खर्च कर रहे हैं। पर्सनल लोन अन्य कर्जों की तुलना में काफी महंगा होता है, जिससे ईएमआई का दबाव बढ़ता है। महंगी ईएमआई चुकाने से आपकी बचत और निवेश प्रभावित होते हैं और वित्तीय स्थिरता खतरे में पड़ सकती है। पर्सनल लोन के विकल्प भी मौजूद हैं-जैसे इमरजेंसी फंड का उपयोग, गोल्ड लोन, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट या प्रॉपर्टी के बदले लोन, या फिर परिवार व दोस्तों से उधार लेना। कई बैंक वैल्यू ग्राहकों

को ओवरड्राफ्ट लिमिट भी देते हैं, जो अस्थायी जरूरत में मददगार होती है। आमतौर पर सिक्योर्ड लोन पर ब्याज दर पर्सनल लोन से कम होती है।

ज्यादा कर्ज लेना लंबी अवधि के लिए मुसीबत सस्ता पर्सनल लोन लेने के लिए क्रेडिट स्कोर 750 से ऊपर रखना चाहिए। अलग-अलग बैंकों के ऑफर की तुलना करनी चाहिए। छोटी अवधि का लोन चुनना चाहिए और मौजूदा बैंकिंग रिश्तों का फायदा उठाकर दरें कम कराने की कोशिश करनी चाहिए। लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग फीस, हिडन चार्ज, रीपेमेंट और असल जरूरत को ध्यान से परखना जरूरी है। जरूरत से ज्यादा लोन लेना लंबे समय में वित्तीय बोझ बढ़ा देता है। मासिक बजट में ईएमआई को दें प्राथमिकता समय पर कर्ज चुकाने के लिए मासिक बजट में ईएमआई को प्राथमिकता दें। सभी ईएमआई मासिक आय के 30-40 फीसदी के भीतर रखें ताकि कैश फ्लो पर असर न पड़े। ऑटो-डेबिट सेट करें ताकि ईएमआई मिस न हो। छोटा इमरजेंसी फंड बनाएं, जो कुछ महीनों की ईएमआई को कवर कर सके।

ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में टॉप 25 में भी नहीं हैं भारत

अमेरिका-चीन में तगड़ा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में ऑनलाइन शॉपिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन अमेरिका और चीन जैसे देशों के मुकाबले भारत अभी काफी पीछे है। एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में 85 करोड़ लोग इंटरनेट का यूज करते हैं लेकिन इनमें से केवल 20 से 25 प्रतिशत ही ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं। अमेरिका और चीन में यह संख्या 85 प्रतिशत

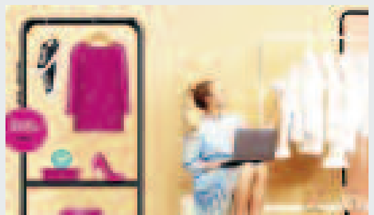

से अधिक है। भारत में रिटेल स्पेंडिंग में ऑनलाइन का हिस्सा मात्र 7 प्रतिशत से 9 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह 33.7 प्रतिशत और चीन में 31.2 प्रतिशत है। भारत इस लिस्ट में टॉप 25 में भी नहीं है।

आंकड़ों के मुताबिक ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में अमेरिका सबसे आगे है। इस देश में रिटेल स्पेंडिंग में ऑनलाइन का हिस्सा 33.7 प्रतिशत है। दूसरे नंबर पर चीन है। इस देश में टोटल रिटेल स्पेंडिंग में ऑनलाइन का हिस्सा 31.2 प्रतिशत है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर यूके (23.2 प्रतिशत), चौथे पर साउथ कोरिया (22.0 प्रतिशत) और पांचवें पर नीदरलैंड (20.9 प्रतिशत) है।

दवाओं से खाने-पीने तक...
हर तरफ फैला है नकली का खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। नकली सामान की समस्या सिर्फ भारत की नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया इससे जूझ रही है। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक बाजार में नकली सामान की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत तक है। भारत में हालात ज्यादा चिंताजनक है, जहां 30 प्रतिशत तक नकली माल बाजार में मिलता है। फास्ट मूविंग कंस्यूमर गुड्स यानी खाने-पीने की चीजें, पर्सनल केयर प्रोडक्ट हाउसहोल्ड केयर प्रोडक्ट, हेल्थ केयर ओवर द काउंटर प्रोडक्ट और स्टेशनरी आदि अपैरल यानी फैशन के कपड़ों और एग्रीकल्चरल यानी बीज और खाद में सबसे ज्यादा नकली माल बाजार में मिलता है। फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल्स और कंस्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे एरिया में नकली सामान का बाजार 20 से 25 प्रतिशत तक है।

दिल्ली, यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल, हरियाणा और तेलंगाना समेत कई राज्यों कैंसर, डायबिटीज और किडनी की नकली दवाएं बेचने वाले गिरोहों का भंडाफोड़ हुआ। नकली दवा बनाने के लिए बाकायदा फैक्ट्रियां खोली गई थीं, जिन्हें सप्लाई करने के लिए चेन बनी हुई थी। कुछ नामी अस्पतालों का स्टाफ तक शामिल पाया गया। पुलिस तफ्तीश

के दौरान कैंसर और कोरोना की नकली इंजेक्शन लेने से मौत तक के मामले हुए छले महीने राजस्थान में 30 से अधिक फैक्ट्रियों पर छापे मारे तो संगमरमर का कचरा, पत्थर की धूल और कैंसरकारक केमिकल को मिलाकर नकली खाद और बीज तैयार किए जा रहे थे। इसी तरह नकली दूध और डेरी प्रोडक्ट बनाने के मामले दिल्ली, यूपी, केरल और तमिलनाडु पकड़े गए।

इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान भी बरामद- इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान में भी नकली माल खूब बेचा जा रहा है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में जुलाई में ऐपल के तीन करोड़ के नकली प्रोडक्ट तो मार्च में गोवा में एक करोड़ का नकली सामान जब्त किया गया। इस साल मार्च में भारतीय मानक ब्यूरो ने देश के कई शहरों में ऐमजॉन और फ्लिपकार्ट के गोदामों पर छापेमारी कर 4000 से ज्यादा नकली सामान को जब्त किया।

इन पर नकली ढ्रुढ्र मार्क लगा हुआ था। नकली बॉंच, रूम हीटर, मिक्सर ग्राइंडर, इंडक्शन चूल्हे, ईयरफोंस और फोन चार्जर्स समेत करीब डेढ़ करोड़ रुपये से ज्यादा का नकली सामान जब्त किया।

- **16 लाख से ज्यादा रोजगार घटे, राजस्व का नुकसान-** उद्योग संगठन फिक्की का दावा है कि एफएमसीजी, टेक्सटाइल एंड ऐपैरल, पर्सनल हेल्थकेयर गुड्स, अल्कोहल और टोबैको जैसे पांच सेक्टर में ही नकली माल की वजह से भारत सरकार को आठ लाख करोड़ के राजस्व का नुकसान हो रहा है। यही नहीं, नकली माल के इस काले कारोबार का असर रोजगार पर भी पड़ा है।
- **दो फैक्ट्रियों से नकली मसाले भी जब्त किए-** पिछले साल दिल्ली के करावल नगर में दो फैक्ट्रियों पर छापा मारकर 15 हजार किलोग्राम नकली मसाले जब्त किए थे। इन्हें सड़े हुए चावल, लकड़ी का बुरादा, जामुन की गुठली के पाउडर और हानिकारक केमिकल से बनाए जा रहे थे। राजस्थान के अजमेर में 18,000 लीटर नकली रिफाइंड तेल बरामद किया गया था कई ब्रैंड का लेबल लगाकर मिलावट के बाद इसे बाजार में बेचा जा रहा था इसी तरह नकली हेयर ऑयल और फेस क्रीम बेचने वाला गिरोह भी पकड़ा गया।

बेमौसम बारिश से एसी कंपनियों का राजस्व 34 फीसदी तक घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। बेमौसम बारिश से जून तिमाही में सूचीबद्ध रूम एयर कंडीशनर कंपनियों के राजस्व में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है। वोल्टास, ब्लू स्टार और हैवेल्स सहित सूचीबद्ध कंपनियों ने जून तिमाही में 13-34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। इससे उनके राजस्व और मार्जिन पर अल्पकालिक दबाव बना है। बारिश के अलावा, पिछले वर्ष की इसी तिमाही में

असाधारण रूप से उच्च आधार के कारण भी यह प्रभाव और बढ़ गया। इससे कंपनियों को भीषण और लंबी गर्मी से लाभ हुआ और रिकॉर्ड बिक्री हुई। हालांकि, कुछ निर्माताओं ने कहा, उनके वाणिज्यिक एयर कंडीशनिंग व्यवसाय ने बेहतर प्रदर्शन किया है। आरएसी सेगमेंट के लिए निकट भविष्य का माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। हालांकि, कंपनियां आगामी त्योहारी सीजन के दौरान मांग में सुधार की उम्मीद कर रही हैं।

सोने-चांदी के गिरे भाव

बिना जीएसटी 100201 में बिक रहा 10 ग्राम सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज सोने-चांदी के भाव में बड़ी गिरावट है। 24 कैरेट सोने भाव 741 रुपये सस्ता हुआ है। चांदी ने 424 रुपये प्रति किलो की गिरावट दर्ज की है। चांदी अब 114308

की कीमत ऑल टाइम हाई 101406 रुपये से गिरकर आज 100201 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। जबकि, जीएसटी के साथ सर्राफा मार्केट में 24 कैरेट गोल्ड 103207 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है।

आज 24 कैरेट सोने के रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। जीएसटी समेत चांदी की कीमत 117737 रुपये किलो हो गई है। शुक्रवार को चांदी बिना जीएसटी 114732 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। जबकि, सोना 100942 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

- **इस साल सोना 24461 और चांदी 28991 रुपये चढ़ी-** सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 24461 रुपये और चांदी 28991 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।
- **14 से 23 कैरेट गोल्ड के क्या हैं रेट-** आज 23 कैरेट गोल्ड भी 738 रुपये सस्ता होकर 99800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। जीएसटी संग इसकी कीमत अब 102794 रुपये हो गई है। अभी इसमें मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है।

323 से टूटकर 4 पर आया शेयर
अब अपर सर्किट, 14 अगस्त अहम दिन, बिक रही कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर बीते कई सेशंस से लगातार अपर सर्किट को टच कर रहे हैं। आज भी इसमें 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा और यह शेयर एनएसई पर 4.03 रुपये पर आ गया था। पिछले पांच कारोबारी दिन में यह शेयर 23 प्रतिशत तक चढ़ा है। इस दौरान इसकी कीमत 3.29 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक आ गई। बता दें कि कंपनी दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही है। कर्ज में डूबी कंपनी के शेयर ने लंबी

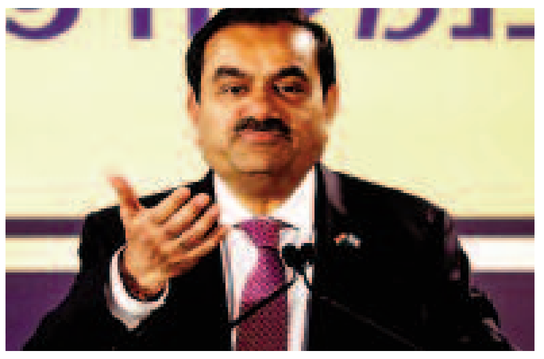

अवधि में अपने निवेशकों का तगड़ा नुकसान भी कराया है। कंपनी के शेयर 4 जनवरी 2008 में कंपनी के शेयर 323 रुपये के भाव पर बिक रहे थे।

14 अगस्त को है अहम दिन- जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड ने बीएसई को सूचित किया है कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की बैठक 14/08/2025 को निर्धारित है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित पर विचार और अनुमोदन किया जाएगा।

- **खरीदारी की रेस में अडानी समेत ये दिग्गज-** बता दें कि कर्ज में डूबी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड की संपत्तियों की जल्द ही बिक्री होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त के मध्य तक बोलियां जमा होने की संभावना है। कंपनी को खरीदने की रेस में डालमिया भारत और गौतम अडानी समेत कई दिग्गज हैं। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुनीत डालमिया समर्थित डालमिया भारत और गौतम अडानी की अडानी एंटरप्राइजेज, जेएएल की संपत्तियों के लिए टॉप दो बोलीदाता हैं।
- **कहां फंस रहा पेंच-** अधिकांश बोलीदाताओं के लिए एक प्रमुख विवाद लगभग 1,000 हेक्टेयर विवादित भूमि के स्वामित्व को लेकर स्पष्टता का बना हुआ है। जेएएल की एक परियोजना के कानूनी नतीजे के आधार पर बोली की कीमतों में लगभग 2,000 करोड़ का संशोधन हो सकता है।

केप्लर का अनुमान: रूसी तेल के बगैर काम चला सकती हैं भारतीय रिफाइनरी

ऐसे घट सकता है डीजल-विमान ईंधन का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पिछले हफ्ते भारत से अमेरिकी आयात पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद रूस से तेल आयात रोकने या कम करने की चर्चा हो रही है।

केप्लर ने अपनी रिपोर्ट भारतीय आयात पर अमेरिकी शुल्क - ऊर्जा बाजारों और व्यापार प्रवाह पर प्रभाव में कहा अमर तकनीकी नजरिये से देखे तो कुछ रणनीतिक कदमों के साथ भारतीय रिफाइनरी रूसी तेल के बिना काम चला सकती हैं।

भारतीय रिफाइनरी तकनीकी तौर पर रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति के बिना काम चला सकती हैं, लेकिन इस बदलाव के लिए उन्हें आर्थिक और रणनीतिक स्तर पर व्यापक संतुलन स्थापित करना होगा। वैश्विक विश्लेषण फर्म केप्लर के अनुसार, रूसी कच्चे तेल को वैकल्पिक तेलों से बदलने से उत्पादन में बदलाव आएगा। इसके चलते डीजल और विमान ईंधन का उत्पादन कम होगा और अवशेष उत्पादन बढ़

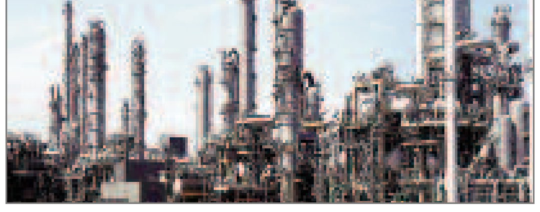

जाएगा। विश्लेषकों के मुताबिक, रूसी कच्चा तेल उच्च डिस्टिलेट उत्पादन को बढ़ावा देता है। इसका फायदा यह है कि कच्चे तेल के शोधन के दौरान बनने वाले पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन का हिस्सा अधिक होता है। भारत की रिफाइनरी खपत में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत तक है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पिछले हफ्ते भारत से अमेरिकी आयात पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा के बाद रूस से तेल आयात रोकने या कम करने की चर्चा हो रही है।

- **तीन से पांच बिलियन डॉलर की बढ़ेगी लागत-** वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों की मानें तो गैर-रूसी कच्चे तेल की कीमत रूसी बैरल की तुलना में लगभग 5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल अधिक है। केप्लर ने कहा, इस अंतर पर 1.8 मिलियन बीपीडी को प्रतिस्थापित करने का अर्थ है कि मौजूदा स्थिर कीमतों के तहत लागत में 3-5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वार्षिक वृद्धि होगी।
- **विकल्प-** केप्लर के मुताबिक, रूसी तेल का अफ्रीकी, लैटिन अमेरिकी कच्चा तेल विकल्प बन सकता है। अमेरिका से डब्ल्यूटीआई मिडलैंड जैसे ग्रेड इसमें 2,00,000-4,00,000 बैरल प्रतिदिन का योगदान दे सकते हैं, लेकिन ये कम डीजल उत्पादित करते हैं। लंबी दूरी की माल ढुलाई और लागत जैसे कारण भी इसे सीमित करेंगे।

निवेश-बचत: कर्ज ले रहे हैं तो रुकें

- **एफडी के लिए अच्छा समय; खुदरा महंगाई घटने से मिल रहा फायदा**

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई के रेपो दर को अपरिवर्तित रखने के फैसले से होम लोन लेने वालों को तुरंत कोई फायदा नहीं होगा। कई ऐसे कारक हैं, जो आगे ब्याज दर में कटौती की उम्मीद जगाए हुए हैं। इस साल होम लोन लेने वाले सबसे ज्यादा खुश हैं, क्योंकि रेपो दर फरवरी से जून तक एक फीसदी कम हुई है। अधिकांश होम लोन फ्लोटिंग रेट वाले और रेपो रेट से जुड़े होते हैं, इसलिए रेपो

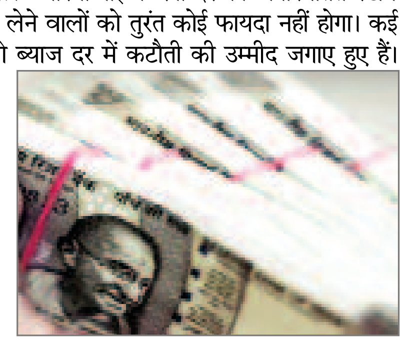

रेट में किसी भी कमी से बड़ी संख्या में होम लोन लेने वालों के लिए ब्याज दरें कम हो जाती हैं। खुदरा महंगाई आरबीआई के प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में से एक है। इसी के आधार पर केंद्रीय बैंक नीतिगत दरों में बदलाव करने या न करने का निर्णय लेता है।

बेंगलुरु में अब किराये पर रहना हुआ मुश्किल

पीजी की दीवारों पर चिपके पर्चे

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप बेंगलुरु में पीजी में किराये पर रहते हैं या वहां नए पीजी की तलाश रहे हैं तो आपको मुश्किल हो सकती है। दरअसल, डिजिटल के जमाने में काफी पीजी

संचालक किराये पर रहने वाले लोगों से किराये की रकम कैश में मांग रहे हैं। वहीं अगर किराये की रकम ऑनलाइन ट्रांसफर करनी है तो किरायेदार को जीएसटी चुकाना होगा। ऐसे में किराये की रकम बढ़ जाएगी।

वायरल हुई पोस्ट

इस पोस्ट को कुछ दिनों पहले पोस्ट किया गया था। यह काफी वायरल हो रही है। इसे अभी तक 30 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस पोस्ट को लेकर एक यूजर ने कहा कि इस मामले में सरकार के पास शिकायत जाएगी और कुछ कार्रवाई हो सकती है।

वहीं एक ने लिखा कि जीएसटी समेत किराया चुकाने में हर्ज क्या है। वहीं एक लिखा है कि 12 फीसदी जीएसटी के साथ यूपीआई पेमेंट कर दिया जाए। इसके बाद पीजी संचालक से जीएसटी बिल ले लिया जाए। जीएसटी बिल देने से वह मना नहीं कर सकता।

- **दुकानदारों ने उठाया था कैश का मुद्दा-** बेंगलुरु में हाल ही में दुकानदारों ने यूपीआई से पेमेंट लेने से मना कर दिया था। दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकान और स्टॉल पर पर्चे चिपकाकर सिर्फ कैश लेने की बात कही थी। इसका कारण बताया कि यूपीआई से पेमेंट लेने को लेकर उनके ऊपर जीएसटी के छापे पड़ रहे हैं।

पेनी स्टॉक के हो सकते हैं 10 टुकड़े

मुनाफे में उछाल से शेयरों में लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। कंपनी के बोर्ड की एक बैठक में होने वाले दो अहम फैसलों की खबर से निवेशकों में उत्साह है और शेयर 5 प्रतिशत अपर सर्किट तक पहुंच गए।

शेयर अब 10.59 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने ऐलान किया है कि उसका बोर्ड दो बड़े प्रस्तावों पर विचार करेगा पहला इक्विटी शेयरों का 1-10 के अनुपात में स्प्लिट। इसका मतलब, अगर आपके पास एक शेयर है तो वह दस शेयरों में बदल जाएगा।

दूसरा, 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की संभावना। यानी हर एक शेयर पर एक बोनस शेयर मिल सकता है।

अंतिम मुहर बोर्ड के फैसले, सेबी और शेयरधारकों की मंजूरी

पर- कंपनी का कहना है कि ये कदम शेयरों की तरलता बढ़ाने, शेयरधारकों का आधार व्यापक बनाने और निवेशकों के लिए शेयरों को और ज्यादा सस्ता व सुलभ बनाने के लिए हैं।

हालांकि, इन प्रस्तावों पर अंतिम मुहर बोर्ड के फैसले, नियामकों (सेबी) और शेयरधारकों की मंजूरी पर निर्भर करेगी। रिकॉर्ड डेट और इन कार्यवाहियों का पूरा कार्यक्रम बाद में बताया जाएगा।

शेयर प्राइस हिस्ट्री- पांच साल में वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स के शेयरों में करीब 537 पर्सेंट की बंपर उछाल दर्ज की गई है। इस अवधि में यह स्टॉक 1.66 रुपये से 10.59 रुपये तक पहुंचा है।

- **कंपनी के मुनाफे में बंपर वृद्धि-** इस उत्साह की एक बड़ी वजह कंपनी के ताजा नतीजे भी हैं। वेलक्योर ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में उसका शुद्ध मुनाफा बढ़कर 23.29 करोड़ हो गया। यह बढ़त मजबूत ऑर्डर मिलने की वजह से हुई है। इस दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 299.91 करोड़ रहा। इससे पहले मार्च 2025 की तिमाही में कंपनी का राजस्व 21.21 करोड़ और शुद्ध मुनाफा 2.5 करोड़ था। कंपनी ने पिछले साल जून तिमाही में राजस्व का आंकड़ा नहीं दिया है। कंपनी ने कहा कि ये मजबूत नतीजे उसकी व्यावसायिक रणनीतियों, समझदार फैसलों और फी-आधारित, एसेट-लाइट मॉडल की तरफ बढ़ने की प्रतिबद्धता की सफलता दिखाते हैं।
- **विदेशी सौदों में सफलता-** वेलक्योर ने यह भी बताया कि उसने हाल ही में कुल 299.91 करोड़ मूल्य के सात एक्सपोर्ट-सोर्सिंग प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। इनमें कंपनी ने विदेशी ग्राहकों के लिए विशेष रूप से खरीद एजेंट की भूमिका निभाई है। इससे पहले भी, कंपनी को थाईलैंड की फॉर्च्यून सागर इम्पेक्स कंपनी लिमिटेड से 517 करोड़ के एक बड़े वैश्विक सोर्सिंग ऑर्डर का ठेका मिला था।

धोनी से आगे निकल जाएंगे पंत: आकाश

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऋषभ पंत अगर टेस्ट मैच खेलना जारी रखते हैं, तो वह इस फॉर्मेट में एमएस धोनी के कुल रनों के आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। पंत इंग्लैंड के खिलाफ हाल में संपन्न टेस्ट सीरीज में इंजरी के बाद रिकवरी की राह पर हैं।आकाश चोपड़ा ने रविवार को अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, टेस्ट मैचों और रनों की संख्या के मामले में एमएस धोनी शीर्ष पर हैं। उन्होंने 90 मैच में 144 पारियां खेली हैं, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए हैं। उनके नाम छह शतक हैं। पंत ने पिछले पांच सालों में छह शतक लगाए हैं और कुल 8 टेस्ट शतक लगाए हैं। उन्होंने कहा, अगर हम कुल मिलाकर देखें, तो ऋषभ पंत आठ शतक लगा चुके हैं और एमएस धोनी छह शतक लगा चुके हैं। ऋषभ पंत पहले ही रनों की संख्या के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। वह एमएस धोनी से 1,400 रन पीछे हैं और लगभग आधे मैच खेल चुके हैं। अगर वह और खेलेंगे, तो जाहिर है कि वह एमएस धोनी से आगे निकल जाएंगे। चोपड़ा ने कहा, पंत ने अब तक 47 टेस्ट मैचों में 44.50 की औसत से 3,427 रन बनाए हैं। उनके शतकों की संख्या आठ है, जो धोनी के छह शतकों से दो ज्यादा है। क्या यह कहना सही होगा कि पंत भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले सबसे महान विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के अब तक के श्रेष्ठ विकेटकीपरों की सूची देखें तो एडम गिलक्रिस्ट ने 96 मैचों में 47.60 की औसत से 5,570 रन बनाए हैं। वह फिलहाल पंत से आगे हैं, लेकिन पीछे छूट सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के सफलतम विकेटकीपर-बल्लेबाज की बात करें तो पहले स्थान पर श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगाकारा का नाम है। उन्होंने 134 टेस्ट मैचों में 12,400 रन बनाए। इसमें कुल 38 शतक हैं।

मेसी की अनुपस्थिति में मियामी की हार

लंदन, एजेंसी। मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। क्रिस्टल पैलेस ने इस सत्र में अपना शानदार अभियान जारी रखा और प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल को हराकर वेम्बली में एक और उलटफेर करते हुए कम्युनिटी शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। वहीं, दूसरी तरफ इंटर मियामी को सुपरस्टार लियोनल मेसी की अनुपस्थिति में मेजर लीग सॉकर फुटबॉल टूर्नामेंट के एक मैच में ऑरलैंडो सिटी से 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा।मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। पैलेस की इस जीत के नायक गोलकीपर डीन हेंडरसन रहे। उन्होंने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाई। हेंडरसन ने मैच के बाद कहा, यह अविश्वसनीय है। लिवरपूल जीत का प्रबल दावेदार था। उसके पास कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और उनकी टीम मजबूत है। हमने तीन महीने के अंदर दो ट्रॉफी जीती हैं। यह अविश्वसनीय है। एफए कप में जीत के साथ पैलेस ने अपने इतिहास में पहली बड़ी ट्रॉफी जीती थी और अब कम्युनिटी शील्ड जीतकर उसने साबित कर दिया कि उसकी पिछली जीत महज संयोग नहीं थी।मेसी दाहिने पैर में चोट लगने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए और मियामी को उनकी बड़ी कमी खली। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी को यह चोट दो अगस्त को नेकाक्सा के खिलाफ लीग कप मैच में लगी थी।

हरमनप्रीत बोलीं- टीम वर्ल्ड कप सूखा खत्म करने को तैयार

विमेंस वर्ल्ड कप ट्रॉफी लॉन्च हुई ; 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में टूर्नामेंट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि उनकी टीम अगले महीने से शुरू हो रही विमेंस वर्ल्ड कप में आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करना चाहती है और पूरा भारत हमारे वर्ल्ड कप जीतने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से हमें अपनी तैयारियों का अंदाजा लग जाएगा कि हम कहां खड़े हैं। हरमनप्रीत ने ये बातें सोमवार को 30 सितंबर से भारत में होने जा रहे विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी लॉन्चिंग सेरेमनी में कहीं। इस मौके पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह और बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया भी मौजूद रहे। भारतीय महिला टीम ने कभी-भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी है। टीम ने 2017 में फाइनल तक का सफर किया था, लेकिन इंग्लैंड से हारकर टीम रनरअप रही थी। 14 सितंबर से शुरू होगा ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा विमेंस वर्ल्ड कप शुरू होने से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत का दौरा करेगा। 14 सितंबर से शुरू हो रहे इस दौरे में 3 वनडे मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच विमेंस वर्ल्ड कप में भारत का पहला मैच 30 सितंबर को श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में खेला जाना तय हुआ है, लेकिन यह मैच शिफ्ट हो सकता है। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को इस मैच के आयोजन के लिए अभी तक कर्नाटक सरकार से मंजूरी नहीं मिली है।

अन्नू-कुजूर और मुरली चमके

भारत की पहली विश्व महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में उम्मीदों पर खरे उतरे

भुवनेश्वर, एजेंसी। कुजूर ने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

स्टार धावक अनिमेष कुजूर, अनुभवी भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और लंबी कूद के दिग्गज एथलीट मुरली श्रीशंकर ने रविवार को भारत की पहली विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में अपनी अपनी स्पर्धाओं में जीत हासिल कर उम्मीदों पर खरे उतरे। विश्व एथलेटिक्स की कांस्य स्तर की यह प्रतियोगिता सुचारू रूप से चली, लेकिन इसमें वैश्विक दिग्गजों की भागीदारी काफी कम थी।

कुजूर का प्रदर्शन हालांकि नाटकीयता से भरा रहा। 22 वर्षीय इस एथलीट ने सुबह अपनी 100 मीटर की हीट रेस में कुछ कदम के बाद ही दौड़ना बंद कर दिया था।, वह आधे घंटे बाद अपनी 200 मीटर की हीट रेस में दौड़े और 20.99 सेकंड के समय के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने शाम के सत्र में 200 मीटर फाइनल में 20.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। कोरिया के को सेउंघवान (20.95 सेकंड) और एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रागुल कुमार (21.17 सेकंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। कुजूर के नाम 100 मीटर (10.18 सेकंड) और 200 मीटर (20.32 सेकंड) दोनों में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं। श्रीशंकर का मुकाबला उभरते हुए किशोर शाहनवाज खान से था। खान ने फरवरी में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। 17 वर्षीय खान चौथे प्रयास में 8.04 मीटर की छलांग लगाकर शीर्ष पर थे, जबकि श्रीशंकर 7.95 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर थे। 26 साल के श्रीशंकर ने हालांकि अपने अंतिम प्रयास में 8.13 मीटर की छलांग लगाकर रोमांचक अंदाज में स्वर्ण पदक जीता। यह चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद वापसी पर उनका लगातार चौथा खिताब है। वह हालांकि तोक्यो विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर को हासिल करने में नाकाम रहे।

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में एशियाई खेलों की चैंपियन अन्नू रानी ने चौथे प्रयास में 62.01 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। इससे सितंबर में होने वाली तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाने की उनकी संभावना मजबूत हो गई। वह 64 मीटर के स्वत- क्वालीफिकेशन से दूर है लेकिन 'रोड टू तोक्यो' सूची में 30 वें पायदान पर है। इसमें सूची में शीर्ष 36 स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 63.22 मीटर है। उन्होंने इसे 2022 में हासिल किया था। कलिंगा स्टेडियम में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारतीय प्रतिभागियों द्वारा 80 मीटर का आंकड़ा मुश्किल से पार कर पाने से दर्शक निराश हुए। श्रीलंका के रोमेश थरंगा पथिरागे ने 86.50 मीटर के अपने पहले प्रयास के साथ पुरुषों का भाला फेंक का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 85.50 मीटर के विश्व चैंपियनशिप के स्वत- क्वालीफिकेशन को भी पार कर लिया। भारत के 20 वर्षीय शिवम लोहकरे ने 80.73 मीटर के साथ रजत पदक जीता। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघ 80.65 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के रोहित यादव (80.35 मीटर) और एशियाई चैंपियनशिप के रजत विजेता सचिन यादव (79.80 मीटर) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

फुटबॉल

अंडर-20 महिलाओं के लिए 25,000 डॉलर के इनाम की घोषणा, एआईएफएफ ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को अंडर-20 महिला टीम को 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालिफाई करने पर 25,000 डॉलर की नकद प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। अंडर-20 महिला टीम सात अंक के साथ ग्रुप डी में शीर्ष पर रही और रविवार को यंगून में मेजबान म्यांमार पर 1-0 की जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पूजा ने 27वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। टीम ने इससे पहले इंडोनेशिया के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला था और तुर्कमेनिस्तान को 7-0 से हराया था। भारत ने क्वालिफायर में एक भी गोल नहीं खाया। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 का आयोजन अप्रैल 2026 में थाईलैंड में होना है। एआईएफएफ ने इसका श्रेय भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से 'पिछले कुछ वर्षों में निरंतर योजना और विकासात्मक प्रयासों' को दिया है। एआईएफएफ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि अस्मिता महिला फुटबॉल लीग जैसी पहल ने जमीनी स्तर पर ढांचे को मजबूत किया है जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष पंजीकृत महिला फुटबॉलरों की संख्या में '232त्न की वृद्धि' हुई है।

टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, टी-20 में पहली बार खेली इतनी ज्यादा गेंदें

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले पहले टी20 के बाद ये कमाल की उपलब्धि उनके नाम हुई. टिम डेविड ने ऑस्ट्रेलिया-साउथ अफ्रीका के बीच खेले पहले टी20 में जो किया, उसके बाद उन्होंने सिर्फ सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड ही नहीं तोड़ा बल्कि ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो भी बने. इतना ही नहीं, उन्होंने अपने टी20 करियर की सबसे ज्यादा गेंदें भी एक पारी में इसी मुकाबले में फेस की. साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाए. इसमें 83 रन अकेले टिम डेविड के बल्ले से निकले. इस पारी के दौरान टिम डेविड ने 12 बाउंड्रीज लगाई, जिसमें से 8 सिर्फ छक्के रहे. मगर उसके बावजूद उन्होंने इतनी गेंदें खेली, जितनी टी20 करियर में पहले कभी किसी इनिंग में नहीं खेली.टिम डेविड ने अपनी इनिंग में 52 गेंदों का सामना किया. ये पहली बार है जब उन्होंने 50 से ज्यादा गेंदें खेली है. इससे पहले उन्होंने सबसे ज्यादा 46 गेंद किसी एक टी20 इनिंग में 2020 में हॉन्ग-कॉन्ग के खिलाफ खेली थी.टिम डेविड ने तोड़ा सूर्यकुमार का वर्ल्ड रिकॉर्डअब सवाल है कि टिम डेविड ने सूर्यकुमार यादव का बनाया कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा है? ये वर्ल्ड रिकॉर्ड टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट का है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 10 अगस्त को खेले पहले अ के बाद टिम डेविड अब सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज बन गए हैं. सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट टी20 इंटरनेशनल में 167.07 का है. जबकि टिम डेविड की स्ट्राइक रेट 167.37 की हो चुकी है.साउथ अफ्रीका की टीम के सामने 179 रन का लक्ष्य था. लेकिन, उसका पीछा करते हुए वो 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन ही बना सके. ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 17 रन से जीता और इसी के साथ 3 टी20 की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल की.

अंबानी बुमराह को आईपीएल खेलने से रोक देते!

जस्सी के दुश्मन बने 18 करोड़ रुपये!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं. इंग्लैंड सीरीज के दौरान उन्हें चोट लगी जिसकी वजह से वो पांचवां टेस्ट मैच नहीं खेल पाए. यही नहीं इस खिलाड़ी को मैच से पहले टीम से ही रिलीज कर दिया. अब बुमराह का एशिया कप में नहीं खेलना भी तय माना जा रहा है. इस बीच जसप्रीत बुमराह पर पूर्व कप्तान और दिग्गज क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर ने बड़ा बयान दिया है. दिलीप वेंगसरकर ने कहा कि बुमराह की जिस तरह की फिटनेस है और जिस तरह उन्हें चोट लगती रहती है उसे देखते हुए उन्हें आईपीएल 2025 में हिस्सा नहीं लेना चाहिए था. मतलब कहीं ना कहीं वेंगसरकर का मानना है कि अगर बुमराह आईपीएल नहीं खेलते तो उन्हें इंग्लैंड सीरीज के दौरान शायद चोट भी नहीं लगती.

18 करोड़ की वजह से चोटिल हुए बुमराह?

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने बातचीत में कहा, 'अगर मैं टीम इंडिया का सेलेक्टर होता तो मैं मुकेश अंबानी को मनाता कि बुमराह का इंग्लैंड सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए आईपीएल में नहीं खेलना अहम है. या तो उन्हें आईपीएल में कम मैच खिलाए जाएं, मुझे यकीन है कि वो मान जाते.' वेंगसरकर ने कहा, 'भारत और इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज की अहमियत और बुमराह की कमर को ध्यान रखते हुए बीसीसीआई और सेलेक्टर्स को उन्हें आईपीएल 2025 में खेलने से रोकना चाहिए था. उनका इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह तरोताजा रहना जरूरी था.'

चैंपियंस ट्रॉफी में क्यों फ्लॉप रहे, राशिद खान ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। राशिद खान ने सर्जरी के बाद पहले टेस्ट मैचों में वापसी पर अफसोस जताया जबकि उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी गई थी जिसके कारण चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन खराब रहा। अफगानिस्तान के क्रिकेट स्टार राशिद खान ने लंबे समय के बाद वापसी करते हुए टेस्ट मैच खेलने पर अफसोस जताया और इसे अपने शरीर पर पड़ने वाले असर के लिए जिम्मेदार ठहराया। इस दिग्गज स्पिनर ने 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद पीठ की सर्जरी करवाई थी, जिसके बाद वह 6 महीने से ज्यादा समय तक मैदान से बाहर रहे। राशिद ने जनवरी 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच में वापसी की, लेकिन इससे उनके शरीर पर बुरा असर पड़ा और चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 में उनके प्रदर्शन पर असर पड़ा।

एक इंटरव्यू में राशिद खान ने कहा, जब मैं सर्जरी के बाद वापस आया तो मुझे बताया गया कि इतनी जल्दी लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी मत करो, यह तुम्हारे लिए अच्छा नहीं होगा। जब मैं 8-9 महीने बाद वापस आया तो मैंने टेस्ट क्रिकेट खेला।

एशिया कप में हार्दिक पंड्या के खेलने पर सस्पेंस...

NCA में पास करना होगा फिटनेस टेस्ट, इस खिलाड़ी की एंट्री तय!

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 अगले महीने की 9 तारीख से शुरू होगी और इसका खिताबी मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा. एशिया कप इस बार संयुक्त अरब अमीरात के दो शहरों दुबई और अबूधाबी में होना है. इस टूर्नामेंट में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाना है, जिसपर सभी की निगाहें हैं. एशिया कप 2025 से पहले भारतीय टीम की टेंशन बढ़ चुकी हैं. टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव अब तक पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं और वो बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं. सूर्यकुमार यादव को पूरी तरह फिट होने में अभी कम से कम एक हफ्ता और लग सकता है. सूर्यकुमार ने जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी. इसके चलते वो क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं.

उधर ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की फिटनेस सवालों के दायरे में है. हार्दिक पंड्या फिटनेस टेस्ट देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक हार्दिक फिटनेस टेस्ट 11 और 12 अगस्त को होगा. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की समाप्ति के बाद हार्दिक पंड्या क्रिकेटिंग एक्शन से दूर थे, हालांकि उन्होंने एक महीने पहले ही ट्रेनिंग शुरू कर दी थी. हार्दिक ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, एनसीए की एक छोटी सी ट्रिप.

स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में वापसी हो सकती है. श्रेयस अय्यर 27 से 29 जुलाई के दौरान फिटनेस टेस्ट पास कर चुके हैं. श्रेयस अय्यर ने दिसंबर 2023 के बाद से कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेला है, लेकिन भारतीय चयनकर्ता उनके अनुभव और क्लास को देखते हुए टी20 टीम में शामिल कर सकते हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते श्रेयस अय्यर का दावा मजबूत नजर आ रहा है. एशिया कप 2025 में कुल आठ टीमें भाग लेने जा रही हैं. इस टूर्नामेंट के लिए हार्दिक पांड्या की मौजूदगी काफी अहम होगी. हार्दिक आक्रामक बल्लेबाजी, धारदार सीम बॉलिंग और बेहतरीन फील्डिंग के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस पर कड़ी नजर रखी जा रहगी है क्योंकि भारतीय टीम मैनेजमेंट उनसे तीनों डिपार्टमेंट में अपना 100 प्रतिशत देने की अपेक्षा रखती है. भारतीय चयनकर्ता एशिया कप के लिए टीम का ऐलान करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन इसी बीच सभी की नजरें हार्दिक पांड्या की फिटनेस और सूर्यकुमार यादव की रिकवरी पर टिकी हैं. ये दोनों भारत के लिए एक बार फिर एशिया कप खिताब जीतने की राह में गेमचेंजर साबित हो सकते हैं.

असित मोदी संग 'तारक मेहता' की 'दयाबेन' को देख खुश हुए यूजर्स

दिशा से कर डाली डिमांड

दिशा वकानी को दर्शक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की दयाबेन के तौर पर खूब पसंद करते हैं। लेकिन यह एक्ट्रेस एक लंबे वक्त से सीरियल में नजर नहीं आ रही हैं। हाल ही में जब सीरियल के प्रोड्यूसर असित मोदी रक्षाबंधन पर दिशा वकानी से मिले तो दर्शकों को उनकी वापसी की उम्मीद जाग गई।हाल ही में सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिशा वकानी, उनके घर पहुंची हैं। रक्षाबंधन के त्योहार के मौके पर दिशा और असित मोदी की मुलाकात हुई। इस वीडियो को देखकर दिशा वकानी यानी दयाबेन के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यूजर्स ने असित मोदी की पोस्ट पर दिशा वकानी से एक खास डिमांड कर दी।

यूजर्स चाहते हैं सीरियल में लौटे आएं दिशा वकानी, दिए ये रिएक्शन

असित मोदी की रक्षाबंधन वाली पोस्ट पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिया है। दिशा वकानी से शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापस आने की रिक्वेस्ट उनके फैंस कर रहे हैं। एक यूजर लिखता है, 'अब रक्षाबंधन पर अपने भाई को तोहफा दीजिए, शो में वापस आकर।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप शो में वापस आ जाओ, आपके बिना शो देखने में मन नहीं लगता है।' एक अन्य यूजर ने भी लिखा, 'जल्दी शो में वापस आ जाइए।' अब देखना होगा कि क्या दिशा वकानी शो में दयाबेन के रोल में वापस आती हैं या नहीं।

दयाबेन का किरदार क्यों हुआ फेमस

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में दयाबेन का किरदार दिशा वकानी निभाती थीं। यह किरदार सीरियल में जेठालाल की पत्नी का था। जेठालाल और दयाबेन की नोक-झोंक दर्शकों को पसंद आती थी। वहीं दयाबेन का हंसने गरबा करने का तरीका भी दर्शकों के चेहरे पर हंसी ले आता था।

असित मोदी ने लिखी इमोशनल पोस्ट

असित मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिशा वकानी उन्हें राखी बांध रही हैं।इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ असित ने एक इमोशनल मैसेज भी लिखा है, 'वह लिखते हैं, 'कुछ रिश्ते किस्मत बुनती है।दिशा वकानी से खून का नहीं, दिल का नाता है।वह सिर्फ हमारी 'दया भाभी' नहीं, बल्कि मेरी बहन है।कई साल से हंसी, यादें और अपनापन बांटते हुए ये रिश्ता स्क्रीन से कहीं आगे बढ़ चुका है। इस राखी पर, वही अटूट भरोसा और वही गहरा अपनापन फिर से महसूस हुआ।ये बंधन हमेशा यूं ही अपनी मिठास और मजबूती के साथ बना रहे।'

मेरी फिल्मों से कुछ बड़े स्टूडियो डरते हैं...

सुदीप्तो सेन की द केरला स्टोरी को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ छायांकन जैसे दो अहम सम्मान मिले। लव जिहाद जैसे विवादास्पद विषय पर बनी इस फिल्म ने 2023 में शानदार प्रदर्शन किया था। पेश है सुदीप्तो से इंटरव्यू के खास अंश...

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर सुदीप्तो सेन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा... मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा। द केरला स्टोरी के बाद मैंने बस्तर पर काम किया। मैं तो अपनी टीम के लिए अवॉर्ड की उम्मीद कर रहा था लेकिन जब मुझे व्यक्तिगत रूप से यह सम्मान मिला है तो मैं आश्चर्यचकित हूं। बस्तर पर फिल्म बनाने की मेरी इच्छा पिछले 10 सालों से थी। इसके अलावा मेरी अगली फिल्म चरक अक्टूबर में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म आस्था और अंधविश्वास पर आधारित एक सच्ची घटना से प्रेरित है, जिसमें अंजलि पाटिल और शशि भूषण जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म बिहार, बंगाल, असम, और ओडिशा के उन क्षेत्रों के बारे में है जहां चरक मेला में पहले इंसान की बलि दी जाती थी। इस गंभीर विषय पर भी मैं बहुत समय से फिल्म बनाना चाहता था। द केरला स्टोरी को लेकर हुई आलोचनाओं पर सुदीप्तो ने कहा... फिल्म को 25 करोड़ से ज्यादा दर्शकों ने पसंद किया। इनमें 20 करोड़ ओटीटी पर रहे, बारी थिएटर्स और टीवी पर। मैं उन लोगों की राय को खारिज करता हूं जो फिल्म को बिना देखे ही इसे विभाजनकारी बताते हैं। सेंसर बोर्ड और सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म को हरी झंडी दी थी, इसलिए किसी को भी इस पर बिना देखे राय नहीं बनानी चाहिए। 25 करोड़ से ज्यादा दर्शक गलत तो नहीं हो सकते हैं।

बड़े स्टार्स के साथ काम नहीं करना है...

सुदीप्तो ने स्वीकार किया कि द केरला स्टोरी जैसी बड़ी हिट देने के बाद भी बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टूडियो उनसे दूरी बनाए रखते हैं। वे कहते हैं... बड़े स्टूडियोज हार्ड हिटिंग विषयों पर बात करने से डरते हैं। मैं कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों को प्राथमिकता देता है और बड़े स्टार्स के साथ काम करने में मेरी रुचि नहीं है। मुझे आमिर खान या अक्षय कुमार के लिए फिल्म नहीं बनानी, मुझे अपनी कहानी कहनी है। कांतारा और सैराट जैसी फिल्में रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट के मामले में बेस्ट हैं। हमारी फिल्म ने 19 करोड़ रुपए खर्च करके 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की, तो इसका रेट ऑफ इंटरेस्ट 1400% से ज्यादा है।

'सिनेमा पर ज्यादा ध्यान देना जरूरी हैं', फिल्म फेस्टिवल्स की अहमियत पर बोले अन्नू कपूर

अभिनेता अन्नू कपूर ने हाल ही फिल्मों के समाज पर प्रभाव को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म फेस्टिवल्स जैसे इवेंट्स को भी सराहा। शाहरुख खान को भी नेशनल अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने अपनी राय जाहिर की।

अभिनेता अन्नू कपूर रविवार को दिल्ली में सेलिब्रेटिंग इंडिया फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने फिल्म फेस्टिवल की अहमियत पर बात की। वह चाहते हैं कि दिल्ली जैसे शहर के अपने फिल्म फेस्टिवल भी हों, जिससे सिनेमा को बढ़ावा मिले।

फिल्मों से हमारे युवा जुड़ पाते हैं

एएनआई से की गई बातचीत में अन्नू कपूर कहते हैं, 'फिल्म फेस्टिवल के कई फायदे हैं। फिल्में हमारे लोगों के मनोरंजन का एक अहम जरिया हैं। जो लोग ऐसे फिल्म फेस्टिवल आयोजित करते हैं, वे ऐसी फिल्मों को इसमें शामिल करते हैं, जिन्हें लोग सिनेमाघरों में नहीं देख पाते। जिन्होनें सार्थक फिल्में बनाई हैं, लेकिन कम बजट के कारण उन्हें ठीक से रिलीज नहीं किया गया है। ऐसे में फिल्म फेस्टिवल के मंच इन फिल्मों को मौका देते हैं। इनसे हमारे युवा युवा भी जुड़ते हैं।'

अन्नू कपूर आगे कहते हैं, 'अब मुझे लगता है, एक समय आएगा जब कम से कम दिल्ली में ही, साउथ दिल्ली और नॉर्थ वेस्ट दिल्ली का अपना अलग फिल्म फेस्टिवल होगा। यह बहुत अच्छी बात होगी क्योंकि हम यह जानते हैं क्रिकेट और सिनेमा, हमारे देश के एंटरटेनमेंट का अहम जरिया हैं। इसलिए इन पर ज्यादा ध्यान देना बहुत जरूरी है।'

फिल्म की सफलता में राइटर की भूमिका सबसे अहम होती है

अभिनेत्री सैयामी खेर ने फिल्मों के बाद वेब सीरीज की दुनिया में भी अपनी खास पहचान बनाई है। हाल ही में वह नीरज पांडे की स्पेशल ऑप्स के दूसरे सीजन में नजर आई। सैयामी ने खास बातचीत में अपने अनुभव को लेकर कई बातें साझा कीं।

स्पेशल ऑप्स के साथ मेरा सफर करीब 6-7 साल पहले शुरू हुआ था। इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यह थी कि मुझे नीरज पांडे सर जैसे निर्देशक के साथ काम करने का मौका मिला। हर अभिनेता की एक ख्वाहिश होती है कि वो कुछ खास निर्देशकों के साथ जरूर काम करे और मेरी उस लिस्ट में नीरज सर का नाम हमेशा से रहा है। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि उनके विजन में गजब की स्पष्टता होती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता होता है कि उन्हें सेट पर क्या चाहिए और कैसे चाहिए। नीरज सर बेहद शांत स्वभाव और फोकस्ड सोच रखने वाले व्यक्ति हैं। वह टीम को बहुत ही सहजता और संतुलन के साथ हैंडल करते हैं। हम दोनों को क्रिकेट का शौक है, तो बुडापेस्ट में शूटिंग के थकान भरे दिनों में भी हम क्रिकेट पर मजेदार बातें किया करते थे। नीरज सर के साथ काम करना सिर्फ एक प्रोफेशनल एक्सपीरियंस नहीं बल्कि एक ट्रीट की तरह होता है जैसे किसी मजेदार पिकनिक पर जाना। मेरे हिसाब से एक्शन सीन में उतनी ही मेहनत लगती है, जितनी किसी डांस सीन में। एक्टर को एक्शन के लिए भी अच्छी खासी रिहर्सल करनी पड़ती है। हमारे एक्शन डायरेक्टर्स बुडापेस्ट से थे.

प्री-प्रोडक्शन फेज में है नैचुरल स्टार नानी की फिल्म ब्लडी रोमियो

साउथ के नैचुरल स्टार नानी जल्द ही एक नई एक्शन ड्रामा फिल्म ब्लडी रोमियो में नजर आएंगे। इसका निर्देशन साहो फेम सुजीत कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल रिलीज होनी है। नानी फिलहाल श्रीकांत ओडेला की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग कर रहे हैं, वह भी अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। वहीं सुजीत अभी पवन कल्याण की फिल्म ह्रत के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। ह्रत की रिलीज के बाद वे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और अब कास्ट और तकनीकी टीम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नानी खुद इस फिल्म की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। श्याम सिंघा रॉय के प्रोड्यूसर वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू होने की संभावना है। साथ ही नानी ने ये संकेत दिए हैं कि कार्थिक सुब्बराज के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है।

अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला

अपूर्वा अरोड़ा ने 13 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं बातचीत में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही यह भी साझा किया कि आने वाले समय में वह किन-किन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।

आपने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत की और अब लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम कर रही हैं। यह सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो मैंने कभी ये सोचा नहीं था कि चाइल्ड आर्टिस्ट के बाद मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस बनूंगी। जब मैंने शुरुआत की थी, तब फिल्मों के बारे में मुझे ज्यादा समझ नहीं थी। बस उस वक्त मैं हर चीज को एंजॉय करती थी। जैसे सुबह जल्दी उठकर सेट पर जाना, मेकअप करवाना, स्क्रिप्ट मिलना और फिर शूट करना। उस समय ये भी दिमाग में चलता था कि क्या मुझे एक्टिंग को करियर के तौर पर आगे जारी रखना है या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे जब समझ आई और अनुभव बढ़ा, तब एहसास हुआ कि यही मेरा पैशन है और मुझे एक्टिंग ही करनी है। अब जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो खुशी होती है कि मैंने सही फैसला लिया। ये सफर बहुत कुछ सिखाने वाला रहा है।

आपने कन्नड़, पंजाबी, हिंदी और गुजराती सिनेमा में काम किया है। आपने अपने करियर को किस तरह दिशा दी?

सच कहूं तो मैंने अपने करियर को कोई खास दिशा देने की कोशिश नहीं की। मैं बस काम करती गई और रास्ते में लोग मिलते गए, मौके मिलते गए, और चीजें होती चली गईं। शुरुआत में मेरी सोच ये थी कि किसी भी काम को बिना कोशिश किए मना नहीं करना है। मेरी डिक्शनरी में ना कहना बहुत कम था। हां, जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब कुछ प्रोजेक्ट्स को जरूर मना किया। लेकिन वो भी सोच-समझकर। मेरे लिए ये हमेशा जरूरी रहा कि अगर कोई मौका मिल रहा है, तो मैं उसे हाथ से जाने न दूं, क्योंकि मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे।

कोर्टरूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल 2 काजोल में फिर से नजर आएंगी

काजोल की वेब सीरीज द ट्रायल को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके काम को भी खूब सराहा गया। 14 जुलाई 2023 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज के जरिए एक्ट्रेस ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। अब करीब 2 साल बाद द ट्रायल के सीक्वल की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निर्देशन की कमान उमेश बिष्ट ने संभाली है। काजोल एक बार फिर नयोनिका सेनगुप्ता बनकर लौट रही हैं। पहले सीजन में नयोनिका एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई थीं, जिसने अपने पति के लिए अपना वकालत करियर छोड़ दिया था लेकिन जब वही पति एक स्कैम में फंस गया और उसकी सच्चाई सामने आई, तब नोयोनिका को न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए भी लड़ना पड़ा। ये सिर्फ कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान, रिश्तों और वफादारी की भी परीक्षा थी। बता दें कि द ट्रायल 2 की रिलीज डेट से भी परदा उठ गया है। ये सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। काजोल की ये वेब सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी
।

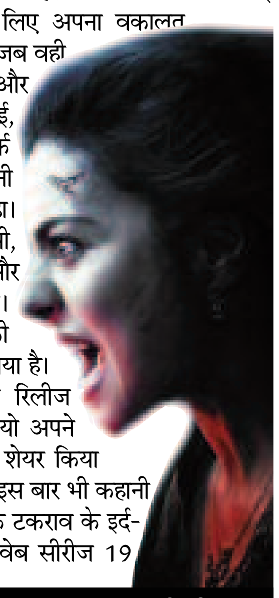

साभार एजेंसी